दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

अल्फा का टीजर हुआ रिलीज, आलिया ...8

बलरामपुर
शुक्रवार , 12 जून 2026
वर्षः 05 अंक : 251 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

कर्नाटक में कचरा प्रबंधन घोटाले पर बीजेपी का बड़ा हमला, कांग्रेस सरकार पर 39,000 करोड़ की लूट का आरोप

भाजपा ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर कचरा प्रबंधन ठेके से जुड़े ''39,000 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले'' में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि इसे निविदा प्रक्रिया में गड़बड़ी तथा परियोजना की लागत में भारी बढ़ोतरी करके अंजाम दिया गया। यह बयान कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक के उस आरोप के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलुरु के कचरा प्रबंधन क्षेत्र में ''घोटाला'' किया है तथा एक निजी कंपनी को कचरा प्रसंस्करण के लिए दीर्घकालिक निविदा देने के बदले 10,000 करोड़ रुपये की रिश्वत ली है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत से निविदा प्रक्रिया की जांच के लिए शिकायत करने वाले अशोक ने दावा किया कि ठेका एक ही कंपनी को 35 साल के लिए बहुत ज़्यादा दरों पर दिया गया जिससे राजकोष पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह कथित घोटाला कांग्रेस सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलों की कड़ी में सबसे नया मामला है। पूनावाला ने आरोप लगाया, ''मुडा घोटाले, ठेकेदार घोटाले, आवासीय घोटाले, शराब घोटाले और जमीन घोटाले के बाद, कर्नाटक अब 39,000 करोड़ रुपये के बड़े कचरा घोटाले का सामना कर रहा है।'

राज्यसभा चुनावः मध्य प्रदेश और गुजरात में बीजेपी की निर्विरोध जीत, राजस्थान में कांग्रेस को मिली एक सीट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की तीनों राज्यसभा सीटें जीत ली हैं। पार्टी के उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट 2026 के चुनावों में निर्विरोध चुने गए। तीनों उम्मीदवारों को विधानसभा से जीत का सर्टिफिकेट मिल गया है। यह घटनाक्रम कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने से जुड़े विवाद के बीच हुआ है। नटराजन ने गुरुवार को मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन रद्द किए जाने को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इन तीन सीटों के लिए चुनाव 18 जून को होने थे। वहीं, गुजरात में राज्यसभा चुनावों को लेकर सबसे बड़ी और अहम खबर सामने आ रही है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी के सभी चार उम्मीदवार आधिकारिक तौर पर निर्विरोध चुन लिए गए हैं। नामांकन वापस लेने की समय–सीमा खत्म होते ही आज चुनाव अधिकारी ने इस बारे में आधिकारिक घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक, आज सभी जीतने वाले उम्मीदवारों को निर्विरोध चुने जाने के विशेष प्रमाण–पत्र भी दिए गए। बीजेपी के ये चार वरिष्ठ नेता अब आने वाले दिनों में दिल्ली में संसद के उच्च सदन में गुजरात का मजबूती से प्रतिनिधित्व करेंगे। गुजरात विधानसभा भवन में नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, चुनाव प्रशासन ने आज आधिकारिक तौर पर नतीजों की घोषणा की। बीजेपी की ओर से

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, होममेकर्स को राष्ट्र निर्माता मानकर 30,000 रु. मासिक मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने घर संभालने वाली महिलाओं को शराष्ट्र निर्माताश माना और बिना पैसे वाले घरेलू काम की आर्थिक अहमियत को स्वीकार किया। एक अहम फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि घरेलू देखभाल सेवाओं के नुकसान को शमुआवजे का एक अलग आधारश माना जाना चाहिए और मोटर दुर्घटना के दावों में ऐसे नुकसान का आकलन करने के लिए 30,000 रुपये की अनुमानित मासिक आय तय की। जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि घर संभालने वालों का योगदान सिर्फ घर के कामों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि परिवार, समाज और अंततः देश को बनाने में भी उनकी अहम भूमिका होती है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि बिना वेतन वाले घरेलू काम को सिर्फ इसलिए आर्थिक रूप से महत्वहीन नहीं माना जा सकता क्योंकि इससे कोई औपचारिक वेतन नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि गृहिणियां घर में योगदान देती हैं। वे राष्ट्र–निर्माता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं। जस्टिस करोल ने कहा कि हमारा भी यह मानना छ्है कि गृहिणी व्यक्ति और राष्ट्र के विकास में योगदान देती है। घर संभालने वाली महिला राष्ट्र का निर्माण करती है।

पुणे से दिल्ली तक सीजेपी की पदयात्रा, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े छात्र

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने गुरुवार को परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ देशव्यापी विरोध अभियान शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत आज शाम 4 बजे पुणे में विरोध प्रदर्शन होगा। सीजेपी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग भी दोहराई। पुणे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा कि संगठन आज ही अपना शिक्षा घोषणापत्र जारी करेगा। यह सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी कैंपस से शुरू होने वाले देशव्यापी आंदोलन के साथ ही किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भी शामिल होने की उम्मीद हैय दिपके ने कहा कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से किया जाएगा। परीक्षा सुधारों पर ध्यानः डिपके के अनुसार, घोषणापत्र में कई ऐसे सुधारों का जिक्र है जिनका मकसद छात्रों की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करना है। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र में प्रश्न–पत्र लीक रोकने, परीक्षा के नतीजे समय पर घोषित करने, भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने, परीक्षा अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और परीक्षा आयोजित करने में देरी व अनियमितताओं के कारण छात्रों को होने वाली दिक्कतों को दूर करने पर ध्यान दिया गया है।

टीएमसी का अंदरूनी घमासानः अब कल्याण बनर्जी ने ममता को दिया अल्टीमेट, कहा– अभिषेक को चुनो या मुझे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रहे संकट को और बढ़ाते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कट्टर वफादार कल्याण बनर्जी ने उनके भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की आलोचना की है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं ममता बनर्जी के साथ हूँ। लेकिन ममता दी को यह तय करना होगा कि वह अभिषेक को रखेंगी या मुझे। ममता दी को ही पहले यह तय करना होगा। ममता दी को पहले यह तय करना होगा कि वह अभिषेक बनर्जी के बिना पार्टी नहीं चला सकतीं। तब मैं वहाँ नहीं रहूँगा। कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से एक मामले में पेश होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि CID से जुड़ा यह मामला असल में पहले ही दायर किया गया था। उन्होंने इसे पहले ही फाइल कर दिया था। शुक्रवार को वेकेशन बेंच बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतजार किया, लेकिन मामले पर सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका जिक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट पर उनके घर और दीदी के ऑफिस में तलाशी ली गई थी। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली से आया था और वहाँ भी गया था। तलाशी के दौरान मैं मौजूद था। फिर कल सुबह, मैंने जस्टिस कौशिक चंदा के सामने मामले का जिक्र किया और कहा कि यह जरूरी है। मैंने उनसे कहा कि तलाशी गैर–कानूनी थी। तलाशी पहले ही हो चुकी थी और कभी भी कुछ भी हो सकता था, इसलिए मामले पर सुनवाई जरूरी थी। जज ने मुझसे कहा कि मामले की सुनवाई उसी दिन होगी। उसके बाद, दोपहर करीब 12.30 बजे, एक वकील ने आकर मुझे बताया कि तलाशी के संबंध में एक अलग रिट याचिका दायर की गई है और एक सीनियर वकील इसे देखेंगे। मैंने पूछा, श्अगर आपने यह मामला पहले ही दायर कर दिया था, तो हमसे इस पर चर्चा क्यों नहीं की? यह पूरी तरह से गैर–कानूनी है। उन्होंने कहा कि उसके बाद, पूरे दिन किसी ने कुछ नहीं कहा। मैंने रात भर केस की तैयारी की। आज भी, आप देख सकते हैं कि मैं हर जगह जा रहा हूँ, जोखिम उठा रहा हूँ और अपना काम कर रहा हूँ। फिर भी, उनकी अनादर करने की आदत नहीं बदली है।

नीति आयोग बैठकः पीएम मोदी ने उद्यमिता, स्किल बढ़ाने और रोजगार पर मुख्यमंत्रियों संग की चर्चा

इस साल की थीम विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता की। इस हाई–लेवल बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उप–राज्यपाल और प्रशासक, पदेन सदस्य के तौर पर केंद्रीय मंत्री और विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हुए। नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में कई मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया, जिनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, बिहार के सम्राट चौधरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शामिल थे। हाल ही में चुने गए मुख्यमंत्री और नेता भी बैठक में मौजूद रहे, जिनमें पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन शामिल हैं। नीति आयोग के एक बयान के अनुसार, इस साल की थीम विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास है। यह थीम उम्र, क्षेत्र, लिंग या सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी नागरिकों की भलाई और विकास पर जोर देगी। इसके अलावा, पीएम मोदी देश भर में एंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) को बढ़ावा देने, स्किल बढ़ाने और टिकाऊ रोजगार के मौके पैदा करने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

'विकसित भारत' के संकल्प को नई गति देने में जुटा यूपी, निभा रहा सक्रिय और प्रभावी भूमिका : सीएम योगी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिस्सा लिया। बैठक में 'विकसित भारत/2047 के लिए समावेशी मानव विकास' विषय पर व्यापक चर्चा हुई, जिसमें मानव विकास, सुशासन और जनभागीदारी को विकास की धुरी बनाकर देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ने पर मंथन किया गया। बैठक में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में 'विकसित भारत' के संकल्प को नई गति देने पर सार्थक विमर्श हुआ।

विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका

उत्तर प्रदेश भी प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप प्रत्येक नागरिक के सशक्तीकरण को विकास का आधार बनाकर 'विकसित भारत' के निर्माण में अपनी सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मानव संसाधन विकास, बेहतर सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी को केंद्र में रखकर योजनाओं को लागू किया जा रहा है, जिससे विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

नीति आयोग की यह बैठक 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय, नवाचार और समावेशी विकास की रणनीति को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

राम मंदिर चंदे को लेकर अखिलेश के आरोपों पर पीयूष गोयल का पलटवार, उन्हें गंभीरता से कोई नहीं लेता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में हेराफेरी की बात कही गई थी। गोयल ने कहा कि जनता को विपक्ष के नेता की बातों पर भरोसा नहीं है। गोयल ने पत्रकारों से कहा कि अखिलेश यादव के ट्वीट को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उन्होंने कहा कि जिस तरह अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश को विकास से दूर रखा, वहां अराजकता का माहौल बनाया और भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा दिया... उसे देखते हुए जनता उन्हें एक बार फिर नकार देगी। उन्होंने आगे कहा कि सत्ताधारी गठबंधन अपने प्रशासनिक कामकाज के रिकॉर्ड के दम पर अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखेगा। यादव के सोशल मीडिया पर यह दावा करने के बाद कि भक्तों के चढ़ावे से करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं, राजनीतिक विवाद और बढ़ गया। उन्होंने इन गड़बड़ियों को बेहद शर्मनाक और दुनिया भर के लाखों भक्तों की आस्था पर सीधा प्रहार बताया। यादव ने न्यायपालिका से इस मामले का स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया और मंदिर प्रशासन की शुरुआती सफाई को नाकाफी 40–सेकंड का स्पष्टीकरण और महज जुबानी औपचारिकता करार दिया। उन्होंने ट्रस्टियों की पूरी बैठक बुलाने और सुरक्षा फुटेज के साथ नकद राशि की गिनती का मिलान करने की मांग की। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों ने इस नैरेटिव का जवाब देने के लिए तेजी से कदम उठाए हैं। महंत दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा कि ट्रस्ट के सभी वित्तीय फैसलों और लेन–देन का बारीकी से रिकॉर्ड रखा जाता है, उन्हें सामूहिक रूप से संभाला जाता है और उन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। उन्होंने कहा कि सभी लेन–देन का हिसाब–किताब बहुत सावधानी से रखा जाता है और सब कुछ सही और पारदर्शी तरीके से हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रस्ट पूरी ईमानदारी के साथ काम करता है। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय ने पुष्टि की कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ मिलकर नियमित फाइनेंशियल ऑडिट का काम चल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये ऑडिट एक तय, समय–समय पर होने वाली निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा हैं और इनमें कोई असामान्य गड़बड़ी या धोखाधड़ी का कोई खास सबूत नहीं मिला है। इन आश्वासनों के बावजूद, विपक्ष ने औपचारिक कानूनी कार्रवाई की मांग जारी रखी है। यादव का कहना है कि पवित्र चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर शिकायतें अब FIR दर्ज करने की नौबत तक पहुँच गई हैं।

निशिकांत दुबे का दावाः टीएमसी का खेल खत्म, 1–2 दिन में साफ होगा भविष्य!

बीजेपी के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने 11 जून को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (ज्डब) जल्द ही खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी में चल रही राजनीतिक उथल–पुथल के बीच अगले कुछ दिनों में हालात और साफ हो जाएंगे। झारखंड के देवघर में ।छप से बात करते हुए, दुबे ने ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी के भविष्य के बारे में अपनी पिछली बातों का जिक्र किया और तेजी से हो रहे राजनीतिक बदलावों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बाबा की नगरी में कही गई हर बात सच साबित होती है। 1–2 दिनों में हमें और जानकारी मिल जाएगी। उनके ये बयान टीमएमसी के अंदर चल रही आपसी कलह के बीच आए हैं, जहाँ कई इस्तीफे हुए हैं, गुटबाजी के आरोप लगे हैं और सीनियर नेताओं के बीच सार्वजनिक मतभेद सामने आए हैं।

ताजा मामला तब हुआ जब टीएमसी के सीनियर सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने एक कानूनी मामले को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की सार्वजनिक रूप से आलोचना की और उन पर श्अहंकारी रवैयाश दिखाने का आरोप लगाया। कल्याण बनर्जी ने ज्डब प्रमुख ममता बनर्जी को अल्टीमेटम दिया और उनसे कहा कि वे उनके और अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी में से किसी एक को चुनें। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि वे अब अभिषेक बनर्जी की ओर से कानूनी मामले नहीं देखेंगे। राज्यसभा से इस्तीफों के सिलसिले में बुधवार को टीएमसी सांसद प्रकाश चिक बारिक ने भी इस्तीफा दे दिया। सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय के बाद, वे एक हफ्ते के अंदर ऊपरी सदन से इस्तीफा देने वाले तीसरे ज्डब सांसद बन गए। इस बीच, बागी ज्डब सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि 20 सांसदों के एक समूह ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की और छव। के प्रति समर्थन जताया। हालांकि, ज्डब की लोकसभा सांसद प्रतिमा मंडल ने इस कथित कदम से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया, बागी गुट को उनके हस्ताक्षर वाला कोई भी दस्तावेज पेश करने की चुनौती दी, पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कहा कि वे 2029 तक तृणमूल कांग्रेस के साथ बनी रहेंगी।

यूपी में बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज

लखनऊ। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) व उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) के समन्वय से गुरुवार को बाढ़ को लेकर 44 जिलों की 118 संवेदनशील तहसीलों में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। योजना भवन, लखनऊ से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर रविंद्र गुरुंग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी तहसीलों की गतिविधियों का संचालन एवं पर्यवेक्षण किया गया। इस अभ्यास के दौरान संबंधित जिलों के प्रशासनिक, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग, पशुपालन विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। यूपीएसडीएमए उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने लखनऊ की तहसील बक्शी का तालाब में आयोजित गतिविधियों का स्थलीय निरीक्षण किया।

अधेड़ समेत महिला ने लगाई फांसी

फतेहपुर। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्रों के अर्न्तगत अधेड़ सहित महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम बरमतपुर गांव निवासी भिखारी का लाल का 48 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार ने घरेलू कलह के चलते घर में उस वक्त फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जब घर के सभी लोग गहरी नींद सो रहे थे। इसी प्रकार ललौली थाना क्षेत्र के सिध गांव गांव निवासी रमाकान्त की 26 वर्षीय पत्नी शिवदेवी ने पति से कहासुनी के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने दोनो शवों को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

अचानक अचेत हुए अधेड़ की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम बिलन्दा नहर के समीप साइकिल से अपनी पत्नी से को लेकर जा रहे 55 वर्षीय अधेड़ अचानक होकर गिर पड़ा। अचेतावस्था में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सुखपुर गांव निवासी बाजी लाल का पुत्र राधेश्याम अपनी पत्नी को साइकिल में बैठाकर रिश्तेदारी में जा रहा था। जब वह बिलन्दा नहर के समीप पहुंचा तभी अचानक अचेत होकर गिर पडा। तभी आसपास के लोगो ने तत्काल सरकारी एम्बुलेंस बुलाकर अधेड़ उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

बाइकों की भिड़ंत में चार घायल

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लच्छीरामपुर के समीप बुधवार की दोपहर बाइकों की भिड़ंत में सगे भाईयों समेत चार लोग घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार असोथर कस्बा निवासी स्व0 देवनरायन तिवारी का 39 वर्षीय पुत्र राजकिशोर तिवारी अपने छोटे भाई भुनेश्वर तिवारी 36 वर्ष व गांव के दिनेश तिवारी पुत्र कुन्दन तिवारी 40 के साथ एक ही बाइक में सवार होकर शहर आ रहे थे। जैसे ही यह लोग गाजीपुर थाने के लच्छीरामपुर गांव के पास पहुंचे तभी कानपुर नगर के थाना घाटमपुर निवासी रजोल का 27 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार बाइक से आ रहा था, तभी भिड़ंत हो गयी। जिससे चारो गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पाकर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

लाठियों की पिटाई से मां बेटी घायल

जौनपुर। मीरगंज थाना क्षेत्र के दीनापुर पाही गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने मां और बेटी को लांठी डंडो से बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया है। पाही गांव निवासी बिजई देवी ने पुलिस को तहरीर देते हुए गांव के ही चार लोगों पर आरोप लगाते हुए बताया कि बीते मंगलवार की दोपहर पुरानी रंजिश को लेकर दबंग उनके घर में घुसे और गाली गलौज देते हुए उन्हें और उनकी पुत्री सविता को लाठी डंडो से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आस पास के लोगों ने वहां पहुंचकर बचाव किया। फिल्हाल इस मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

चलती कार में आग, बच गये सवार

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव से लौट रही कार में आचानक अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। यह हादसा प्रयागराज मार्ग पर कमालपुर गांव के पास बताया जा रहा है। कार में सवार चार लोग मधुपुर गांव गए हुए थें। मंगलवार की रात जैसे ही कार प्रयागराज मार्ग पर कमालपुर गांव के पास पहुंची तो उसमें आचानक आग लग गई। हालांकि इस घटना में कार में सवार लोगों को कोई हानि नहीं पहुंची है। कार में सवार चार लोग बाल बाल बच गयें। घटना के बाद वहां पहुंचे आसपास के लोगों ने कार में लगी आग को पानी डालकर बुझा दिया । आशंका जताई जा रही है कि यह आग भीषण गर्मी के कारण लगी है।

तेल गिरने से कई बाइक गिरी, दस घायल

जौनपुर। गौराबादशाहपुर कस्बा के नयनसंड मोड़ के पास मंगलवार को सड़क पर गिरे सरसों के तेल के कारण कई बाइक एक के बाद एक करके फिसल गई। बाइक के फिसलने से दस बाइक सवार घायल हो गए हैं। बताया गया है कि किसी वाहन से सड़क पर सरसों का तेल गिरकर दूर तक फैल गया था, जिससे सड़क चिकनी हो गई थी। जब बाइक सवार सड़क से गुजरने लगें तो एक एक करके बाइक फिसल कर गिरना शुरू हो गई। गनीमत रही कि सभी घायलों को मामूली चोटें ही आई। घटना के बाद वहां पहुंचे लोगों की मदद से सभी घायलों इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। हालांकि दुर्घटनाओं को देखते हुए सड़क पर फैले तेल पर राख और मिट्टी डालकर चिकनाहट खत्म की गई।

गाली गलौज का विरोध करने पर पिता–पुत्र ने वृद्ध को पीटा

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम सांतो धरमपुर में मंगलवार की देर शाम शौचक्रिया करने जा रहे वृद्ध से गाली गलौज करते हुए पिता पुत्र ने लाठी डंडा व धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार सांतो धरमपुर गांव निवासी स्व0 सीताराम का पुत्र विजय करन मंगलवार की शाम शौचक्रिया करने जा रहा था। तभी के ही शिवसिंह अपने पुत्र शनि सिंह के साथ वृद्ध को गाली गलौज करने के लगे विरोध करने पर पिता पुत्र ने वृद्ध को लाठी डंडा व धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनो मौके से फरार हो गये। वहीं परिजन घायल को लेकर थाने पहुंचे जहां पुलिस ने उन्हे इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इलाज करा रहे भजीता सुरेश सिंह ने आरोप लगाते हुये बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर उसके चाचा के ऊपर जानलेवा हमला किया है। यही नहीं उसने बताया कि पुत्र धमका रहे है कि अगर सुलह समझौता नहीं किया तो जान से मार देंगे।

बाढ़ से निपटने को प्रशासन अलर्ट, डीएम ने तैयारियों का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में शासन के निर्देशानुसार जनपद के तीन तहसीलों में बाढ़ पूर्व तैयारी के संबंध में मॉकड्रिल एक्सरसाइज–2026 का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील तरबगंज के अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ऐलीपरसौली के मजरा गोडियन पुरवा में जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर मॉकड्रिल /एक्सरसाइज–2026 का आयोजन किया गया। इस मॉकड्रिल एक्सरसाइज–2026 का उद्देश्य बाढ़ से पूर्व संभावित आपात स्थिति में प्रशासन, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, राजस्व, पुलिस, एवं अन्य विभागों की तत्परता

की जानकारी ली गई।मॉकड्रिल के दौरान जिलाधिकारी ने खुद पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने नावों, जीवन रक्षक उपकरणों, मेडिकल टीम,पशु चिकित्सा दल, एवं राशन वितरण, पशु चारा, दवा छिड़काव आदि व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन पहले से उपलब्ध रखें और राहत शिविरों की तैयारी पूर्ण रूप से सुनिश्चित की जाए।मॉकड्रिल /एक्सरसाइज –2026 कार्यक्रम के दौरान स्थानीय गांव का एक व्यक्ति किसी कार्य से नदी के किनारे गया था जो पानी में डूबने लगा,मौके पर उपस्थित एसडीआरएफ की टीम ने तुरंत डूब रहे व्यक्ति को बाहर निकाला और समय से उसको मेडिकल उपचार के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से हास्पिटल भेज दिया। और वहां पर सही और समय से इलाज होने के कारण व्यक्ति को बचा लिया गया।जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने कहा कि बाढ़ के समय लोगों को समय से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना, उन्हें भोजन,चिकित्सा और आवास की सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, जल विभाग एवं स्थानीय प्रशासन एवं विभाग के अधिकारी व अन्य टीमों ने हिस्सा लिया। स्थानीय ग्रामीणों को भी मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया गया कि आपदा के समय किस प्रकार सतर्कता बरतनी है और प्रशासन के दिशा–निर्देशों का पालन करना है।जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से बाढ़ की स्थिति में संभावित प्रभावित गांवों की सूची, राहत सामग्री की उपलब्धता, नावों की स्थिति, और संपर्क मार्गों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक बाढ़ चौकी पर 24 घंटे निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई न होने पाये।इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राइवेट विद्यालयों के संचालन में आ रही कठिनाइयों के संबंध मे हुई बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में उव प्रवित्त विहीन विद्यालय प्रबंधक फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शहर के एक निजी विद्यालय, नेशनल पब्लिक स्कूल गोंडा में आयोजित की गई। वित्त विहीन विद्यालय के प्रदेश संयोजक एसपी गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक फाउंडेशन का स्थापना दिवस 23 जून 2026 मनाया जाएगा। इसके लिए प्रबंधकों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी करने की अपील की गई। जिला अध्यक्ष नवीन मिश्रा ने कहाकि विद्यालय संचालन कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। जिसके लिए 8 सूत्रीय ज्ञापन जिला अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय

निरीक्षक, को 18 जून 2026 ज्ञापन को सौपा जाएगा। जिसमें नए विद्यालयों को मान्यता में स्थिरता प्रदान की जाए और यू डायस के करेक्शन संबंधी कार्य विद्यालय सौंपे जाय और आरटीई के तहत दी जाने वाली धनराशि आप पर्याप्त है। जिसकी राशि शासन द्वारा बढ़ाए जाने की मांग की गई है। प्रबंधक फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक राजकुमार जायसवाल ने कहा कि एकता में बड़ी शक्ति है इसलिए जनपद के सभी ब्लॉकों से प्रबंधकों को जोड़ने की अपील की गई। जिससे संगठन पूरे जनपद में कार्यरत होकर अपनी समस्याओं का समाधान कर सके। जिला उपाध्यक्ष खेमचंद ने कहा कि निजी विद्यालयों को घरेलू दर पर बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला महामंत्री ईश्वर गुप्त ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में निजी प्राइवेट विद्यालयों का 70: योगदान है। जिसके लिए सरकार को इन प्राइवेट विद्यालयों का पोषण करना चाहिए। जिला संरक्षक अशोक कुमार तिवारी ने अपार आईडी, पैन नंबर की जटिलता में सहूलियत प्रदान की जाए और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के बच्चों का आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र बनाने में जटिलता होने के कारण प्रभावित छात्रों का पैन/अपार आईडी बनाने में विद्यालयों को समुचित सुविधा प्रदान किया जाए। इस अवसर पर हनुमान प्रसाद जोशी,जिला अध्यक्ष नवीन कुमार मिश्रा , जिला महासचिव ऐश्वर्य प्रियदर्शी गुप्त, जिला संयोजक,नीलम प्रकाश पाठक, जिला संरक्षक काशी प्रसाद ओझा, नगर संरक्षक हनुमान प्रसाद जोशी, जिला कोषअध्यक्ष अमित वर्मा, जिला उपाध्यक्ष खेमचंद, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, परवेजआलम, जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारती, जिला संरक्षक .ष्ण मोहन मिश्रा, जिला सहसंयोजक अनुराग अग्निहोत्री, सुनील मिश्रा, मुफीद अहमद, मनोज कुमार श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष प्रवेश आलम सहित कई अन्य स्कूल के प्रबंधक उपस्थित रहे।

मौत से जंग जीत गई महिला, गोताखोरों और आपदा बल ने दिखाया अदम्य साहस

दैनिक बुद्ध का संदेश

जरवल रोड/बहराइच। जरवल रोड थाना क्षेत्र के संजय सेतु पर गुरुवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब पारिवारिक विवाद से परेशान एक 26 वर्षीय महिला ने उफनती घाघरा नदी में छलांग लगा दी। लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय गोताखोरों, नाविकों और बाढ़ राहत मॉक ड्रिल में जुटी आपदा मोचन बल की टीम ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार, महिला पिछले कुछ समय से पारिवारिक तनाव से गुजर रही थी। इसी मानसिक दबाव में

उसने संजय सेतु से नदी में छलांग लगा दी। घटना को देख राहगीरों में हड़कंप मच गया और तत्काल बचाव के प्रयास शुरू किए गए। गनीमत रही कि घटनास्थल के समीप आपदा मोचन बल की टीम स्थानीय नाविकों और गोताखोरों के साथ बाढ़ राहत संबंधी मॉक ड्रिल कर रही थी। महिला के नदी में गिरते ही बचाव दल बिना समय गंवाए नाव और लाइफ जैकेट के साथ नदी में उतर गया। कड़ी मशक्कत के बाद महिला को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद उसे एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। सूचना मिलते ही जरवल रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि महिला के बयान दर्ज कर पारिवारिक विवाद के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने आपदा मोचन बल, गोताखोरों और नाविकों की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मुस्तैदी से एक अनमोल जिंदगी बच सकी।

शांति और सौहार्द के साथ मनेगा मुहर्रम, पयागपुर पुलिस ने की पीस कमेटी की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना पयागपुर के अंतर्गत खुटेहना पुलिस चौकी परिसर में ताजियादारों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थाना प्रभारी दीपक सिंह ने शासन एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुहर्रम के सभी कार्यक्रम और ताजिया जुलूस निर्धारित नियमों के तहत ही आयोजित किए जाएं। इस दौरान जुलूस के रूट, सुरक्षा व्यवस्था और कानून–व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। थाना प्रभारी ने लोगों से आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि या समस्या दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने चेतावनी दी कि माहौल बिगाड़ने या शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मौजूद ताजियादारों और संभ्रांत नागरिकों ने प्रशासन को भरोसा दिलाया कि मुहर्रम पर्व को पूरी अकीदत, शांति और सौहार्द के साथ मनाने में वे पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे। स्थानीय पुलिसकर्मी भी बैठक में उपस्थित रहे।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के ग्राम रानी पुरवा विकास खण्ड झंझरी में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन टीम द्वारा जन–कल्याणकारी योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर शिवेन्द्र श्रीवास्तव एवं जेंडर स्पेशलिस्ट राज कुमार आर्य व ज्योत्स्ना सिंह द्वारा महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने लाभार्थियों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं लाभ प्राप्त करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दिया। डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर शिवेन्द्र श्रीवास्तव ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता एवं आवश्यकता पड़ने पर उनके प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी। जेण्डर स्पेशलिस्ट राज कुमार आर्य ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से सम्बंधित स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। जेण्डर स्पेशलिस्ट ज्योत्स्ना सिंह ने निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की जानकारी देते हुए शीघ्र आवेदन करने हेतु प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री महाश्ववेता, रिताश्री, कमलेश कुमारी, संगीता सोनकर, दिव्या श्रीवास्तव, मिथलेश व अन्य महिलाएं तथा बच्चियां उपस्थिति रही।

मौरंग के ढेर में घुसी मछलियों से लदी पिकअप, सड़क और खेतों में बिखरीं 5 कुंतल मछलियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़–सनई नेशनल हाईवे पर गुरुवार सुबह करीब 11 बजे मछलियों से लदी एक पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे मौरंग के ढेर में जा घुसी। हादसे में वाहन में लदी करीब 4 से 5 कुंतल मछलियां सड़क और आसपास के खेतों में बिखर गईं। हालांकि, दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, पिकअप बढ़नी क्षेत्र के अकड़हरा गांव से करीब 20 कुंतल मछलियां लेकर महाराजगंज जा रही थी। धेनसानानकार के पास पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और पिकअप मौरंग के ढेर में घुस गई। टक्कर के बाद मछलियों से भरे कंटेनर का संतुलन बिगड़ गया और बड़ी संख्या में मछलियां सड़क व खेतों में फैल गईं। स्थानीय लोगों के अनुसार, मछलियां तड़पती हुई दूर–दूर तक बिखर गई थीं। चालक और उसके सहयोगियों ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद मछलियों को दोबारा इकट्ठा किया। बताया जा रहा है कि हादसे में कुछ मछलियों की मौत भी हो गई, जिससे वाहन स्वामी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। घटना के चलते कुछ देर तक हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

बढ़नी बाजार में नगर अध्यक्ष ने गिनाईं मोदी सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान के क्रम में आज बढ़नी बाजार क्षेत्र में संपर्क अभियान चलाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बढ़नी के अध्यक्ष सुनील अग्रहरि एवं भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में जाकर आमजन

से संपर्क किया तथा केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण तथा डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। जनसंपर्क अभियान के दौरान नागरिकों को सरकार की प्रमुख योजनाओं एवं उपलब्धियों से संबंधित साहित्य भी वितरित किया गया। आमजन ने सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए अभियान में सकारात्मक सहभागिता दिखाई। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट पर सपा का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र 302–शोहरतगढ़ में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी उग्रसेन सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शोहरतगढ़ थाने पहुंचकर थाना अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा आईटी सेल से जुड़े लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ एआई (एआई) जनरेटेड भ्रामक और चरित्र हनन करने वाले पोस्ट प्रसारित किए गए हैं। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ऐसी आपत्तिजनक और अमर्यादित पोस्टों को तुरंत हटाया जाए। सपा नेताओं ने कहा कि बेटियों का सम्मान सर्वोपरि है और किसी भी बेटी के खिलाफ अपमानजनक अभियान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान वीरेन्द्र तिवारी, प्रदीप पथरकट, पूर्व प्रमुख विष्णु उमर, विक्रम यादव, बलराम चौरासिया, ओमप्रकाश यादव, गुड्डू सिंह, हरिराम शर्मा, सूर्य प्रताप पाण्डेय, सुशील उपाध्याय, शिवा शर्मा, अरुण चौधरी, मजर हुसैन, राहुल चौरासिया, पप्पू सिंह, मो. रजा, हरिओम, सूरज त्रिपाठी, नीरज चौरासिया, मनोज सेठ, मो. जब्बार, आदर्श पाण्डेय, वीरेन्द्र साहनी, आशीष साहनी, विजय भारती, रामनेत साहनी, महेश साहनी, अनिल शर्मा, संजय चौरासिया, अखिलेश चौरासिया और रामविकास यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी पर संयुक्त मॉकड्रिल, 50 मिनट में मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिलाधिकारी एवं इंसिडेंट कमांडर शिवशरणप्पा जीएन के नेतृत्व में तहसील बांसी स्थित रानी मोहभक्त लक्ष्मी घाट पर बाढ़ प्रबंधन को लेकर एनडीआरएफ गोरखपुर, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, पीएसी, अग्निशमन, सिंचाई, राजस्व, नगर निकाय, ग्राम्य विकास एवं अन्य विभागों की संयुक्त मॉकड्रिल आयोजित की गई। मॉकड्रिल के तहत बाढ़ आने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा नदी में भीषण बाढ़ आने और आबादी वाले क्षेत्रों में पानी घुसने की सूचना जिला कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही करीब 50 मिनट के भीतर पूरी रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का अभ्यास किया गया। इस दौरान डूबे हुए व्यक्ति को बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार देने, पल्स जांचने तथा पानी निकालने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ टीम ने घरेलू संसाधनों से अस्थायी राफ्ट तैयार करने और उसके उपयोग की जानकारी दी। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने प्राथमिक उपचार, जल निगम एवं स्थानीय निकायों ने स्वच्छ पेयजल और इंडिया मार्का–2 हैंडपंप की व्यवस्था तथा पशुपालन विभाग ने पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता की कार्ययोजना प्रस्तुत की। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मौके का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील है, इसलिए सभी विभाग पूर्ण सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करें तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों और विभागीय समन्वय को परखना है, ताकि जरूरत पड़ने पर आमजन को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मॉकड्रिल में उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती, क्षेत्राधिकारी बांसी, तहसीलदार बांसी, अधिशासी अभियंता ड्रेनेज खंड, एनडीआरएफ टीम, आपदा मित्र/सखी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे। आपदा नियंत्रण कक्ष हेल्पलाइनरू 05442–97010 एवं 05442–97030। किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय और सिक्किम अल्पाइन विश्वविद्यालय के बीच एमओयू, भारत-नेपाल शैक्षणिक सहयोग को मिलेगी नई दिशा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिक्किम अल्पाइन विश्वविद्यालय, नामची (सिक्किम) और नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान और बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते को भारत और नेपाल के बीच शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है। एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों, संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संयुक्त प्रकाशनों तथा सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों का संचालन करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य बौद्ध अध्ययन, बौद्ध दर्शन, हिमालयी संस्कृति, शांति अध्ययन और विरासत संरक्षण के साथ यह सहयोग बौद्ध अध्ययन, शोध और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्र में नए अवसरों का सृजन करेगा तथा भारत–नेपाल के शैक्षणिक संबंधों को और मजबूत बनाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय नेपाल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विशेष छात्रवृत्ति और निःशुल्क शिक्षा योजनाओं पर भी कार्य कर रहा है। उनका मानना है कि शिक्षा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक रिश्तों को सुदृढ़ करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। यह एमओयू वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने और बौद्ध अध्ययन को एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विषय के रूप में स्थापित करने की दोनों संस्थानों की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल शिक्षा के माध्यम से भारत–नेपाल संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के साथ विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और समाज को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाएगी।

परिवार रजिस्टर की नकल के लिए बीमार महिला के समर्थन में ब्लॉक पहुंचे ग्रामीण, जोगिया बीडीओ कार्यालय में हंगामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जोगिया क्षेत्र स्थित खंड विकास कार्यालय जोगिया उदयपुर में गुरुवार को एक बीमार महिला मईली को परिवार रजिस्टर की नकल दिलाने की मांग को लेकर दर्जनों ग्रामीण ब्लॉक परिसर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि कई महीनों से महिला को परिवार रजिस्टर की नकल नहीं मिल पा रही है, जबकि वह लगातार कार्यालय के चक्कर काट रही है। ग्रामीण सुबह करीब 10 बजे से ब्लॉक परिसर में बैठकर प्रमाण पत्र जारी करने की मांग करते रहे। इसी दौरान धर्मराज नामक व्यक्ति ने मईली को परिवार रजिस्टर की नकल जारी करने का विरोध करते हुए दावा किया कि मईली का उनसे या उनके परिवार से कोई संबंध नहीं है और वह उनके भाई की पत्नी भी नहीं हैं। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को एक लिखित आवेदन भी दिया है। मामले को सुलझाने के प्रयास में खंड विकास अधिकारी रामानंद वर्मा ने सहायक

विकास अधिकारी (पंचायत) प्रदीप सिंह को भी बुलाया, लेकिन बातचीत के बाद भी कोई समाधान नहीं निकल सका। मईली के साथ आए ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास वर्ष 2003 से 2015 तक के संबंधित प्रमाण पत्र उपलब्ध हैं, लेकिन वर्ष 2025 में अचानक परिवार रजिस्टर से मईली का नाम हटा दिया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी रामानंद वर्मा ने बताया कि धर्मराज द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष अपील की गई है कि मईली को प्रमाण पत्र जारी न किया जाए। उसी अपील के अनुपालन में पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) प्रदीप सिंह ने किसी को धमकी देने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें उच्चाधिकारियों के निर्देशों के अनुसार कार्य करना है। मामला अभी प्रक्रियाधीन है और स्पष्ट आदेश मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अनिल, अकाली देवी, सुभाष चंद्र, ऋषिराज, मैना, सूर्यमती सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बसंतपुर सहकारी समिति का डीएम ने किया निरीक्षण, खाद वितरण में टैगिंग पर सख्त चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने गुरुवार को विकास खंड बांसी स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड, बसंतपुर का निरीक्षण कर उर्वरक वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि समिति को 500 बोरी उर्वरक का आवंटन प्राप्त हुआ है और किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के अनुसार खाद का वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि खाद वितरण के साथ किसी भी प्रकार की टैगिंग पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसकी शत–प्रतिशत रोक सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि खाद वितरण में टैगिंग की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि खरीफ सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रशासनिक फेरबदल,में एडीओ पंचायत खुनियांव के बने राकेश पाठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खुनियांव में प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने के लिए जिला पंचायतराज अधिकारी डीपीआरो ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद खुनियांव विकास खंड के एडीओ पंचायत को अग्रिम आदेशों तक जिला मुख्यालय से संबद्ध अटैच कर दिया गया है।

मुख्य बिंदु मुख्यालय से संबद्धरू सहायक विकास अधिकारी पंचायत खुनियांव श्री आशुतोष मिश्र को प्रशासनिक आधार पर तत्काल प्रभाव से जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय, सिद्धार्थनगर से संबद्ध किया गया है।

इन्हें मिला अतिरिक्त प्रभार उनके हटने के बाद विकास खंड के वरिष्ठतम ग्राम पंचायत अधिकारी श्री राकेश पाठक को अपने मूल कर्तव्यों के साथ–साथ एडीओ पंचायत खुनियांव का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया गया है।

बिना अतिरिक्त भत्ते के काम आदेश के मुताबिक कार्यवाहक एडीओ पंचायत को इस अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।इसके लिए कोई अलग से वेतन या भत्ता देय नहीं होगा।

आदेश जारी जिला पंचायतराज अधिकारी वाचस्पति झा द्वारा आज 11 जून 2026 को पत्र संख्या 845/7–पं०/शिका०/2026–27 के तहत यह आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

रतनसेन इंटर कॉलेज के प्रवक्ता कुलदीप चौधरी बने एनसीसी के सेकेंड ऑफिसर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रतनसेन इंटर कॉलेज, बांसी के प्रवक्ता टी.ओ. कुलदीप चौधरी को 47 यूपी बटालियन एनसीसी, बस्ती में पदोन्नति देते हुए थर्ड ऑफिसर से सेकेंड ऑफिसर (एसओ) बनाया गया। बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विशाल सिंह एवं सूबेदार मेजर पूरन पांडे ने उन्हें सेकेंड ऑफिसर की रैंक पहनाकर सम्मानित किया। कुलदीप चौधरी वर्तमान में रतनसेन इंटर कॉलेज, बांसी में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। पदोन्नति के बाद उन्होंने 47 यूपी बटालियन एनसीसी बस्ती के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल के. दूबे तथा कर्नल विशाल सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार एवं एएनओ कैप्टन डॉ. संदीप कुमार सिंह का सहयोग और मार्गदर्शन के लिए विशेष धन्यवाद दिया। कुलदीप चौधरी ने कहा कि वह नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे तथा पद की गरिमा बनाए रखने का हर संभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कैप्टन डॉ. संदीप कुमार सिंह, कैप्टन डॉ. राजेश यादव, लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार मौर्य सहित बटालियन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीआईसी प्रवक्ता भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक, 6 केंद्रों पर 3253 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गौरव श्रीवास्तव की उपस्थिति में राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रवक्ता (पुरुष/महिला) भर्ती परीक्षा–2025 को सकुशल एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित प्रधानाचार्यों और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित वितरण, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं हर हाल में सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और शासन द्वारा निर्धारित सभी मानकों का शत–प्रतिशत पालन कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराया जाएगा। जनपद में इस परीक्षा के लिए 6 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 3,253 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 8 बजे से शुरू होगा, जबकि सुबह 8रू45 बजे परीक्षा केंद्रों के गेट बंद कर दिए जाएंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की निषिद्ध सामग्री का प्रवेश न होने पाए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेंद्र कुमार मौर्य, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, संबंधित प्रधानाचार्य, केंद्र प्रभारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बाइकों की टक्कर में दो वर्षीय मासूम की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र के फन्तेपुर–डुमरिया मार्ग पर बुधवार देर रात दो बाइकों की आमने–सामने की टक्कर में प्रिंस (2) पुत्र शिवपूजन लोधी निवासी भुजराई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी मां सरिता को भी चोटें आईं। परिजनों के अनुसार, सामने से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मासूम को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दलित युवती से दुष्कर्म व मतांतरण के आरोपित को चिल्हिया पुलिस ने भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना पुलिस ने दुष्कर्म, अपहरण और मतांतरण के आरोपित युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोहम्मद नवी उर्फ नबी मोहम्मद उर्फ लालू (21) पुत्र राज मोहम्मद उर्फ राजधानी, निवासी चिल्हिया थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक दलित युवती ने 12 मई को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपित उसका अपहरण कर लंबे समय तक दुष्कर्म करता रहा। युवती

का आरोप है कि वह उस पर मतांतरण का दबाव भी बनाता था तथा विरोध करने पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देता था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। बुधवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र स्थित ककरही पुल के पास से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता, आरक्षी पीयूष कुमार प्रसून, रजनीश, अजय कुमार तथा महिला आरक्षी आंचल कन्नौजिया और नीलू शामिल रहीं।

प्रशासकों को डीपीआरओ का निर्देश, डीएम की अनुमति के बाद ही होंगे नए विकास कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायतों में प्रशासकों की नियुक्ति के बाद विकास कार्यों के संचालन को लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ग्राम पंचायतों में नए विकास कार्य जिलाधिकारी की अनुमति प्राप्त होने के बाद ही कराए जाएंगे। डीपीआरओ वाचस्पति झा द्वारा जारी पत्र में जिलाधिकारी के 4 जून 2026 के आदेश का हवाला देते हुए बताया गया है कि ग्राम प्रधानों के स्थान पर नियुक्त प्रशासक सामान्य एवं नियमित कार्यों का संचालन करेंगे। पूर्व में स्वीकृत अथवा अनुमोदित कार्यों का भौतिक एवं तकनीकी मूल्यांकन कराते हुए उनका भुगतान कराया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि किसी भी नए कार्य को शुरू कराने से पहले जिलाधिकारी स्तर से अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों में प्रस्तावित नए कार्यों तथा प्रशासक नियुक्ति से पूर्व कराए गए उन कार्यों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिनका भुगतान अभी लंबित है। डीपीआरओ ने समस्त खंड विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत सचिवों को निर्धारित प्रारूप पर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि जिलाधिकारी स्तर से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किया जा सके। इस संबंध में जारी पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

सम्पादकीय

बाढ़ से बचाव को अतिरिक्त पानी इस्तेमाल करें

सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले। खासकर उन किसानों को जिनके खेत नहर के अंतिम छोर पर स्थित हैं। इससे हमारी जमीन के ऊपर मौजूद पानी के स्रोतों पर निर्भरता ज्यादा बढ़ेगी। साथ ही इन कदमों से जमीन के भीतर के पानी के भंडारों पर दबाव भी कम हो सकेगा। इसके साथ ही, सहयोगी राज्यों के साथ जलाशयों के कामकाज...

हमारे नीति–नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन–धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर–तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत शृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले। खासकर उन किसानों को जिनके खेत नहर के अंतिम छोर पर स्थित हैं। इससे हमारी जमीन के ऊपर मौजूद पानी के स्रोतों पर निर्भरता ज्यादा बढ़ेगी। साथ ही इन कदमों से जमीन के भीतर के पानी के भंडारों पर दबाव भी कम हो सकेगा। इसके साथ ही, सहयोगी राज्यों के साथ जलाशयों के कामकाज में पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ तालमेल बैठाना होगा। पानी की भरपूर उपलब्धता से मुश्किल हालात का सामना करने की क्षमता बढ़नी चाहिए, न कि जोखिम को बढ़ावा दिया जाए। आज जलाशयों में जगह खाली करना भविष्य में मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं से निबटने के लिये सबसे अच्छा उपाय साबित हो सकता है।

आखिर कहां खो गई यारों की टोली

आज भी मित्र हैं, लेकिन उनका निवास स्थान बदल गया है। पहले मित्र दिल में रहते थे, अब मोबाइल में रहते हैं। पहले दोस्त घर के बाहर इंतजार करते थे, अब ऑनलाइन दिखाई देते हैं। लेकिन मुश्किल समय में दरवाजा खटखटाने वाला एक भी दोस्त नहीं है। चालीस–पचास मित्र बनाना बहुत आम बात है पर एक से चालीस–पचास साल दोस्ती निभाना खास बात है। हमारे बचपन की परीक्षाओं में 'मेरा प्रिय मित्र' नामक निबंध नियमित रूप से आया करता था और अंग्रेजी में भी 'माय बेस्ट फ्रैंड' बनकर। निबंध इतना लोकप्रिय था कि कई बच्चों ने अपने मित्र से ज्यादा उसे याद कर रखा था। परीक्षा में रोल नंबर बदल जाता था, कक्षा बदल जाती थी, लेकिन 'मेरा प्रिय मित्र' नहीं बदलता था। हर बार वही रटा–रटाया चेप कर आया करते कि मित्र, ईमानदार, मेहनती, समय का पाबंद, माता–पिता का आज्ञाकारी और पढ़ाई में अव्वल। पता नहीं आजकल ऐसे मित्र कहां रहते हैं? उस समय मित्र भी सचमुच मित्र हुआ करते थे। ऐसे मित्र जो बिना बुलाए घर आ जाया करते थे। जिनके साथ एक ही समोसा आधा–आधा खाया जाता था। जिनके साथ साइकिल बदलकर चलाई जाती थी। किताब–कॉपी की अदल–बदल तो आम बात थी। तब दोस्ती फ्रेंड रिक्वेस्ट से नहीं, 'चल गली में खेलते हैं' से शुरू होती थी। ऐसा नहीं है कि अब मित्र नहीं हैं, आज भी मित्र हैं, लेकिन उनका निवास स्थान बदल गया है। पहले मित्र दिल में रहते थे, अब मोबाइल में रहते हैं। पहले दोस्त घर के बाहर इंतजार करते थे, अब ऑनलाइन दिखाई देते हैं। लेकिन मुश्किल समय में दरवाजा खटखटाने वाला एक भी दोस्त नहीं है। हमारे समय में दोस्त का घर अपना घर होता था। अब लोग अपने दोस्त का पता भी गूगल मैप से ढूंढ़ते हैं। कई युवाओं के लिए मोबाइल ही सबसे बड़ा मित्र बन गया है। सुबह उठते ही उसी का चेहरा देखते हैं, रात को उसी को शुभरात्रि कहते हैं। कुछ लोग तो इतने समर्पित हैं कि यदि मोबाइल घर पर भूल जाएं तो उन्हें ऐसा लगता है जैसे बचपन का दोस्त बिछड़ गया हो। पहले यारों की टोली हुआ करती थी, पर अब दोस्ती का विशाल बरगद धीरे–धीरे गमले के पौधे में बदल गया। आज यदि स्कूलों की परीक्षा में फिर से 'मेरा प्रिय मित्र' विषय आ जाए तो कई बच्चे शायद लिखें–मेरा प्रिय मित्र मेरा मोबाइल फोन है। यह हर समय मेरे साथ रहता है। यह कभी मुझसे नाराज नहीं होता। इसकी बैटरी खत्म हो जाए तो मैं बेचौन हो जाता हूं। और परीक्षक भी शायद पूरे अंक दे दे! एक मनचले का कहना है कि सच्चा दोस्त कभी आप पर शक नहीं करता और बीवी कभी यकीन नहीं करती। अपने दोस्तों की हमेशा सुना करो क्योंकि घर में उन बेचारों की कोई नहीं सुनता।

बचत के विरोधाभासी चक्र में फंसी पीढ़ी

जनरेशन गैप' के तथ्यों से इतर वह भविष्य की योजनाएं भी करता है, उसका स्वरूप दूसरा होता है। उसके फोन में बचत विशेष के कई एप हैं। बदलते दौर में यह तो मानकर चलना पड़ेगा कि बेशक बचत मंत्र में विरोधाभास हो, लेकिन नयी पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह से निकल ही जाएगी। फिर नियम भी बदलते रहते हैं, समय चक्र की तरह। विरोधाभास के इस चक्रव्यूह को तोड़ने की जरूरत पड़ी तो वह बाहर आने की ...

बचत करने की आदत हम भारतीयों के स्वभाव के मूल में है। देश के विभिन्न हिस्सों में अलग–अलग तरीके की 'गुल्लक संस्कृति' है। कभी बच्चों के शादी–ब्याह के नाम पर आय का एक हिस्सा बचाकर रखना तो कभी घर बनाने के लिए बचत। छोटी–छोटी बचत अनेक बार बड़ी काम आती है। बचाने की इस प्रवृत्ति के कारण ही अनेक बार मंदी के दौर में उतना बड़ा झटका आम लोगों को नहीं लगा, जितनी आशंका जताई गयी थी। नोटबंदी के दौरान गुल्लक संस्कृति काम आई। बड़े नोट बंद हुए, लेकिन छोटी–छोटी बचत वालों ने उस दौर में अपने इन छोटे नोटों से ही काम चलाया। इस बचत की संस्कृति को समझते हुए अनेक सरकारों ने भी समय–समय पर कई योजनाएं शुरू कीं। मसलनकृकिसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना, लाडो लक्ष्मी, कन्या सुमंगल, महिला सम्मान बचत वगैरह–वगैरह।

लेकिन आज, बदले वैश्विक परिदृश्य में सत्ता के शिखर से बचत का एक अन्य मंत्र दिया जा रहा है। विदेश यात्राओं से परहेज करें। अभी आभूषण नहीं खरीदें। ईंधन बचाएं। अघोषित तरीके से सीधा संदेश यह भी है कि बचत करें। आज की युवा पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह में फंसी है। वह घूमने–फिरने की शौकीन है। वह नये–नये कपड़े खरीदने, खानपान के नये अड्डों में जाने और आभूषणों को खरीदने की शौकीन है। यह पीढ़ी क्रेडिट कार्ड संस्कृति वाली है। जितना है, उससे भी ज्यादा खर्च करने में विश्वास। यानी इस पीढ़ी को बचत की बहुत ज्यादा फिक्र नहीं

है। पहले से ही खुलकर खर्च करने वाली इस पीढ़ी को लेकर रही–सही कसर आयकर प्रणाली की नयी व्यवस्था ने पूरी कर दी है। करीब 12 लाख रुपये तक कोई कर नहीं, उसके बाद बचत का कोई फायदा नहीं। पुरानी व्यवस्था में टैक्स बचाने के नाम पर ही सही, नौकरी–पेशा व्यक्ति एक सीमा तक बचत करने की कोशिश करता था। शायद इसी बहाने कुछ बच जाये। अब, चूंकि बचत योजनाओं से ज्यादा फायदा होना ही नहीं है तो उस ओर सोचना ही क्या? ..

प्रोविडेंट फंड योजना में अभी बेसिक वेतन का 12 प्रतिशत जमा होने का प्रावधान है। इसे 30 प्रतिशत तक बढ़ा भी सकते हैं। आमतौर पर इसे सेवानिवृत्ति के लिए बचाया गया धन माना जाता है। इस बचत से पैसा निकालना कठिन होता था। अभी तक भी ऐसा ही है, लेकिन अब इसमें भी नयी व्यवस्था पर काम लगभग पूरा हो चुका है। इस बचत को भी अब सेविंग अकाउंट की तरह बनाने की कवायद चल रही है। यानी एटीएम की तरह इसमें से पैसे निकाले जा सकते हैं। नयी व्यवस्था के मुताबिक कर्मचारी को अपने नियोक्ता से मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। गौर हो कि पहले पीएफ राशि निकालना बहुत आसान नहीं था। अब नयी व्यवस्था में अपने कुल पीएफ राशि का पचास से 75 फीसदी तक सीधे निकाला जा सकता है। हालांकि, बदले नियमों के तहत खाते में हर समय कुल योगदान का न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखना अनिवार्य है। एक तरफ बचत की बात और दूसरी ओर खर्च करने के लिए इतनी छूट। आज का युवा वर्ग बचत के इस मंत्र में विरोधाभास के चक्रव्यूह में फंस गया है। चक्रव्यूह का पहला द्वार तो वे खुद ही हैं। खाओ–पीओ, घूमो–फिरो और ऐश करो की नीति। इस द्वार को किसी तरह पार कर भी लें या यूं कहें कि अपनी आदतों पर किसी तरह काबू पा भी लें तो दूसरा द्वार आयकर में अब बचत प्रावधान करीब–करीब खत्म। टैक्स स्लैब में फायदा मिलना ही नहीं है या टैक्स कटना ही है तो कोई अतिरिक्त बचत करके फायदा क्या? इसे भी पार पाने की जुगत कर ले। या बचत जरूरी है मानकर कुछ बचा भी ले तो अब पीएफ से निकासी की नयी व्यवस्था। यह तो सर्वमान्य सत्य है कि घर–गृहस्थी में रुपयों की जरूरत आये दिन रहती है। अपनी कमाई से भी अधिक की जरूरत होती है। इस पर साधारण–सा मनोवज्ञान है कि लोन आदि लेने से पहले व्यक्ति अपनी ही बचत पर नजर डालता है। ऐसे में उसे अब सबसे पहले पीएफ ही नजर आएगा। वैसे जानकार कहते हैं कि बेशक आज का युवा इससे पहले की पीढ़ी के लोगों से जरा हटकर है, लेकिन वह शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड और एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में दूसरी तरह से बचत करता है। हालांकि ये सब 'सब्जेक्ट टू मार्केट रिस्क' हैं, लेकिन वह जोखिम ले लेता है। इसमें कुछ पार पा लेते हैं, कुछ गंवा बैठते हैं। 'जनरेशन गैप' के तथ्यों से इतर वह भविष्य की योजनाएं भी करता है, उसका स्वरूप दूसरा होता है। उसके फोन में बचत विशेष के कई एप हैं। बदलते दौर में यह तो मानकर चलना पड़ेगा कि बेशक बचत मंत्र में विरोधाभास हो, लेकिन नयी पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह से निकल ही जाएगी। फिर नियम भी बदलते रहते हैं, समय चक्र की तरह। विरोधाभास के इस चक्रव्यूह को तोड़ने की जरूरत पड़ी तो वह बाहर आने की कोशिश कर लेगा।

फुटबाल विश्व कप में तीसरी दुनिया की दस्तक

विश्व कप फुटबाल के मुकाबले में इस बार 23 देश तीसरी दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वैसे देखा जाए तो 32 से 48 टीमों के स्वरूप का सबसे अधिक फायदा यूरोप को हो रहा है। साल 2022 में जब आखिरी बार 32 टीमें विश्व कप में उतरी थीं, तो यूरोप की 13 द्धपिछले विजेता फ्रांस सहितऋ, लेतिन अमेरिकी की 4, मध्य व उत्तर अमेरिकी की 4, अफ्रीका की 5 और एशिया की 6 टीमों ...

पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं। आज से शुरू हो रहे तेईसवें विश्व कप फुटबाल में लेतिन अमेरिका और यूरोपीय देशों के मुकाबले में तीसरी दुनिया के देशकृमिश्र, दक्षिण कोरिया, ईशन, इशक, जापान, मोरक्को, घाना, अल्जीरिया, सेनेगलकृकुल मिला कर 23 देश नजर आयेंगे। यह तय है कि विश्व फुटबाल पर लेतिन अमेरिकी (10 खिताब) और यूरोपीय देशों (12 खिताब) के वर्चस्व को अभी तो कोई खतरा नहीं है। पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में खासकर 1982 से तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं। आठवें दशक के अंत में जब फीफा अध्यक्ष हवेलेंज ने यह प्रस्ताव रखा था कि 1982 विश्व कप में 16 की बजाय 24 टीमें भाग लेंगी, तब उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इस प्रस्ताव की आलोचना करने वालों में फुटबाल की श्रेष्ठ शक्तियां ही थीं, जबकि तीसरी दुनिया के देशों ने प्रस्ताव का स्वागत किया था। आलोचकों का कहना था कि इस स्वरूप के परिवर्तन से हालैंड की जगह न्यूजीलैंड, आयरलैंड की जगह कैमरून, उरुग्वे की जगह कुवैत, स्काटलैंड की जगह अल्जीरिया आदि कमजोर टीमें विश्व कप में पहुंच जायेंगी और इस से फुटबाल का स्तर गिरेगा, लेकिन इन्हीं आलोचकों को तब मुंह की खानी पड़ी, जब 1982 विश्व कप में अल्जीरिया ने दो बार की चौंपियन पश्चिम जर्मनी को 2–1 से पीट दिया।

अल्जीरिया ने पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद चिली टीम को भी हराया, पर वह गोल औसत के आधार पर दूसरे चक्र में न पहुंच सके। इस विश्व कप में एक अन्य अफ्रीकी देश कैमरून ने अपने ग्रुप के तीनों ही मैच इटली, पौलेंड व पेरु के विरुद्ध बराबर रखे, वह भी मात्र गोल औसत के आधार पर प्रतियोगिता से बाहर हो गये। विश्व कप फुटबाल पर एक नजर डाली जाए तो कुछ मुकाबलों को छोड़कर तीसरी दुनिया के देशों ने कई मैचों में सराहनीय खेल का प्रदर्शन दिखाया है। पहले किसी अफ्रीकी देश के रूप में मिस्र ने 1934 में विश्व कप फुटबाल में भाग लिया था। अपने एकमात्र मैच में वे हंगरी से 4–2 से हारे। तीसरी दुनिया के देशों की विश्व कप में पहली बड़ी सफलता 1966 विश्व कप में देखने को मिली, जब उत्तरी कोरिया की टीम ने दो बार की चौंपियन इटली को 1–0 से पीट डाला। कोरिया का प्रदर्शन इतना अच्छा रहा कि उन्हें सेमीफाइनल में जाने से रोकने के लिए पुर्तगाल को पूरा जोर लगाना पड़ा क्योंकि कोरिया एक समय 3–0 से आगे थी। फाइनल स्कोर 5–3 पुर्तगाल के पक्ष में रहा।

वर्ष 1970 में अफ्रीका के छोटे से देश मोरक्को ने अपनी सुंदर फुटबाल से सब का मन मोह लिया। बुलगारिया के विरुद्ध उन्होंने मैच बराबर रखा, जबकि पश्चिम जर्मनी के विरुद्ध पहले हाफ में 1–0 से बढ़त लेने के बाद 2–1 से हारे। वर्ष 1986 विश्व कप में एक बार फिर अफ्रीका के इस देश ने सबको चकित कर दिया। वह अपने ग्रुप में इंग्लैंड, पौलेंड और पुर्तगाल जैसी सशक्त टीमों से ऊपर रहे और दूसरे चक्र में खेले। पुर्तगाल को उन्होंने 3–1 से पीटा और इंग्लैंड व पौलेंड के विरुद्ध मैच गोल–रहित रखे। दूसरे चक्र में भी इस टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, पर कड़े संघर्ष के बावजूद वह पश्चिमी जर्मनी से 1–0 से हार गये। इस प्रकार मोरक्को पहली अफ्रीकी टीम बनी जो यूरोप और अमेरिका (1966 में उत्तर कोरिया के बाद) के बाहर से केवल दूसरा राष्ट्र रहा जो दूसरे दौर में पहुंचा। इसी मोरक्को ने 2022 विश्व कप फुटबाल में कमाल कर दिया जब वह चौथे स्थान पर रहा। यह किसी भी अफ्रीकी या अरब राष्ट्र का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप फिनिश रहा। अपने ग्रुप में टॉप पर रहने के बाद मोरक्को ने दूसरे दौर में स्पेन को हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने पुर्तगाल को हराया। तीसरे स्थान के लिए वह क्रोएशिया से हार गए। कैमरून 1990 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना पर चौंकाने वाली जीत के साथ की। वे क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हारे। तीसरी दुनिया का सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन 2002 विश्व कप फुटबाल में देखने को मिला। पहले ही दिन अफ्रीकी देश सेनेगल ने गत चौंपियन फ्रांस को 1–0 से हराया। जब सेनेगल ने अतिरिक्त समय में गोल्डन गोल के साथ स्वीडन को 2–1 से हराया, तो अंतिम आठ में पहुंचने वाली केवल दूसरी अफ्रीकी टीम बन गई (1990 में कैमरून के बाद)। एक और हैरान करने वाली टीम मेजबान दक्षिण कोरिया रही। वे पोलैंड (2–0), पुर्तगाल (1–0), इटली (2–1) और स्पेन (पेनल्टी 5–3) को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। ऐसा करने वाली पहली एशियाई टीम रही। तीसरे स्थान के लिए तुर्की ने दक्षिण कोरिया को 3–2 से हराया। वर्ष 2010 विश्व कप के राउंड 16 में घाना अतिरिक्त समय के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका को हराकर अंतिम आठ में पहुंचने वाला तीसरा अफ्रीकी देश बना (1990 में कैमरून और 2002 में सेनेगल के बाद)। 2014 में पहली बार, अफ्रीका (नाइजीरिया और अल्जीरिया) की दो टीमें दूसरे दौर में आगे बढ़ीं, एक उपलब्धि जो 2022 के टूर्नामेंट में दोहराई गई। पिछले विश्व कप में तीसरी दुनिया के चार देशकृदो अफ्रीका से और दो एशिया से दूसरे दौर में रहे। सेनेगल, मोरक्को, जापान और दक्षिण कोरिया में से सिर्फ मोरक्को ही आगे बढ़कर चौथे स्थान पर रहा।

सुरेश रैना की टीम इंडिया को बड़ी चेतावनी, वनडे विश्व कप 2027 से पहले हार्दिक पंड्या का विकल्प जरूरी

पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि चोटों से परेशान रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का भरोसेमंद विकल्प ढूंढना 2027 एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। रैना ने कहा कि अगले विश्व कप की भारत की तैयारी में पंड्या का विकल्प भी शामिल होना चाहिए क्योंकि उनकी फिटनेस समस्या चिंता का कारण है। रैना ने 'जियोस्टार' से कहा, ''हार्दिक पंड्या को कई बार चोटों का सामना करना पड़ा है जो चिंता की बात है। अगले एकदिवसीय विश्व कप तक भारत के पास उनका भरोसेमंद विकल्प होना चाहिए।'' रैना ने नितीश कुमार रेड्डी को एक अच्छा विकल्प बताया और कहा कि इस युवा ऑलराउंडर ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, ''उनकी बल्लेबाजी और मजूबत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना होगा और उन्हें लगातार मौके देने होंगे।'' बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भारत के विश्व कप अभियान में रोहित और कोहली की अहम भूमिका का समर्थन करते हुए कहा कि आईसीसी की बेहद दबाव वाली प्रतियोगिता में उनका अनुभव गिल के लिए बहुत कीमती साबित होगा।

रैना ने कहा, ''दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन गिल के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा।'' पूर्व भारतीय कप्तान कुंबले ने एकदिवसीय टीम में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को शामिल किए जाने का भी स्वागत किया और कहा कि इस गेंदबाज ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके यह मौका हासिल किया है।

कुंबले ने कहा, ''उनकी अलग–अलग तरह की गेंदें, कटर, धीमी गेंद और यॉर्कर उन्हें हर चरण में गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज बनाती हैं।'' उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह पक्की करने के लिए लगातार मौके मिलने चाहिए।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया अंडर-19 का ऐलान, जानें बीसीसीआई की लिस्ट में कौन से नए चेहरे शामिल

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट समिति ने बृहस्पतिवार को श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर–19 टीम की घोषणा की। इस दौरे में तीन वनडे और दो बहु–दिवसीय मैच शामिल हैं। टीम की अगुआई यशबर्धन सिंह चौहान करेंगे जबकि लक्ष्य रायचंदानी को उप–कप्तान नियुक्त किया गया।

भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी वनडे टीम में शामिल हैं। एक दिवसीय टीम में विकेटकीपर रजत बघेल और अन्वय द्रविड़ होंगे जबकि विकेटकीपिंग के लिए मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को चुना गया है।

भारत की अंडर–19 वनडे टीमरू यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), विनीत वीके, अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, वुतकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शविन वी, काव्य परेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूद।

भारत अंडर–19 बहु–दिवसीय मुकाबलों के लिए टीमरू यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), पटेल कुश, मनाल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्य परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट।

अश्विन का बड़ा बयान: दक्षिण अफ्रीका में रोहित–विराट का अनुभव 2027 वर्ल्ड कप में होगा अहम

भारत के पूर्व ऑफ–स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2027 ICC मेन्स वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा के खेलने का समर्थन किया है। उनका कहना है कि भले ही ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, लेकिन उनके अनुभव और मौजूदगी से भारतीय टीम और मजबूत होगी। अक्टूबर–नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वर्ल्ड कप के समय कोहली की उम्र लगभग 39 साल और रोहित की उम्र 40 साल से ज़्यादा हो चुकी होगी। हालांकि, अश्विन का मानना ध्है कि अगर खिलाड़ी फिट रहते हैं और उन्हें टीम मैनेजमेंट का समर्थन मिलता रहता है, तो उम्र कोई रुकावट नहीं बननी चाहिए।

अश्विन ने **ESPNcricinfo** के वीडियो शो में कहा कि मेरे अनुभव के हिसाब से ये चीजें काफी सीध ी–सादी होती हैंरू अगर मैनेजमेंट चाहता है कि वे दोनों साउथ अफ्रीका में होने वाले 50–ओवर वर्ल्ड कप में खेलें, और अगर इसके लिए काफी उत्साह और समर्थन हो, तो उन्हें मैदान पर बनाए रखना और उनके अनुभव का फायदा उठाना पूरी तरह मुमकिन है। अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि फिटनेस मैनेजमेंट और साथ ही सेलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट का समर्थन, इन दो सीनियर बल्लेबाजों के वनडे करियर को आगे बढ़ाने में बहुत अहम होगा।

उन्होंने कहा कि और माफ कीजिएगा, मैं कोई स्पेशलिस्ट या मेडिकल साइंटिस्ट नहीं हूँ, मैं पूरे दावे के साथ यह नहीं कह सकता, ख्लेकिन अगर, कोई सही रिहैब प्रोग्राम हो, और उनकी जरूरतों के हिसाब से कोई योजना बनाई जाए, और दूसरी तरफ से भी अच्छा माहौल मिले, तो खिलाड़ी इसे कर दिखाएंगे। लेकिन अगर उन पर जरा भी शक किया जाता है, तो खिलाड़ियों के लिए मुश्किल होगी क्योंकि इस उम्र में चोटें लगना आम बात है। शरीर वैसा नहीं रहता जैसा 35 या उससे कम उम्र में होता हैय 32 की उम्र पार करते ही शरीर में बदलाव आने लगते हैं।ष

पूर्व स्पिनर ने खिलाड़ियों और मैनेजमेंट के रिश्ते की तुलना एक पार्टनरशिप से की और कहा कि अगर कोहली और रोहित को अगले वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध रखना है, तो दोनों पक्षों को मिलकर काम करना होगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, अश्विन ने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि यह आपसी तालमेल की बात है। मुझे लगता है कि 2027 के 50–ओवर वाले वर्ल्ड कप तक पहुंचने के लिए दोनों तरफ से अच्छी ऊर्जा और सहयोग बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि और इसके अलावा, मुझे कोई वजह नहीं दिखती कि वे टीम में क्यों नहीं होने चाहिए। उनकी मौजूदगी और उन हालात का अनुभव निश्चित रूप से टीम को मजबूत बनाता है।

विद्यालय पर शिक्षा विभाग सख्त, संचालन बंदी का निर्देश

जौनपुर। रामनगर ब्लाक के दमोदरा स्थित एमडीएसएन गुरुकुलम विद्यालय को लेकर शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। खंड शिक्षा अधिकारी, रामनगर द्वारा जारी पत्र में विद्यालय की मान्यता पर सवाल उठाते हुए तत्काल विद्यालय संचालन बंद करने और एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।खंड शिक्षा अधिकारी के पत्र के अनुसार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर मामले की समीक्षा की गई। पत्र में उल्लेख है कि विद्यालय जिस भूमि पर संचालित हो रहा है, उस भूमि को लेकर सिद्धेश्वर योग आश्रम ट्रस्ट दमोदरा बनाम ग्राम सभा दमोदरा व अन्य का मामला विचाराधीन है। संबंधित भूमि के संक्रमणीयध्असंक्रमणीय स्वरूप तथा भूमि उपयोग परिवर्तन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है और इस संबंध में कोई सक्षम आदेश उपलब्ध नहीं है।शिक्षा विभाग का कहना है कि ऐसी स्थिति में विभागीय नियमों और निर्देशों के अनुरूप विद्यालय को मान्यता प्रदान किया जाना उचित नहीं माना जा सकता। इसी आधार पर विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि वह तत्काल विद्यालय का संचालन बंद करे तथा सात दिनों के भीतर अपना पक्ष और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे।पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया तो आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की होगी।

आईटी सेल देश भर में होगा गठितरूसुबीर सेन

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय आईटी सेल प्रमुख सुबीर सेन का जौनपुर आगमन पर कायस्थ समाज के पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। बाजिदपुर स्थित जिला उपाध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव 'बबलू' के आवास पर आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने कहा कि संगठन को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के लिए पूरे देश में कायस्थ महासभा के आईटी सेल का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज संगठन की पहचान देश के कोने–कोने तक पहुंच चुकी है और बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़ रहे हैं। सदस्यता निःशुल्क रखकर समाज को एकजुट करने का कार्य किया जा रहा है।प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद श्रीवास्तव 'दीनू' ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में संगठनात्मक ढांचा खड़ा किया जा चुका है तथा शेष जिलों में भी जल्द नियुक्तियां कर संगठन को और मजबूत बनाया जाएगा।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ महासभा समाज के हितों की रक्षा और उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय वर्मा 'अज्जू' ने कहा कि कायस्थ समाज ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है और आगे भी समाज व राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव 'दीपक' तथा राष्ट्रीय संरक्षक उमेश श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में कायस्थ महासभा अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में 60 साल बाद भारतीय खिलाड़ी, निखिल चौधरी की ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम में एंट्री

स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर निखिल चौधरी 60 साल से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम में जगह बनाने वाले भारत में जन्में पहले पुरुष खिलाड़ी बने जब उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ उसी की सरजमीं पर होने वाली श्रृंखला के लिए टी20 टीम में शामिल किया गया। तीन मैच की टी20 श्रृंखला चटगांव में 17 से 21 जून तक खेली जाएगी।

चौधरी बेल्जियम में यूरो टी20 प्रतियोगिता में जेबी ब्रग्स की ओर से खेल रहे हैं जबकि हाल में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। वह शुक्रवार को ढाका में ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम से जुड़ेंगे। चयनकर्ता टोनी डोडेमेड के हवाले से 'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने कहा, ''चयन समिति बीबीएल में उनकी फॉर्म से प्रभावित थी विशेषकर पिछले सत्र में जिसके कारण उन्हें टीम में शामिल किया गया।'' उन्होंने कहा, ''निखिल को बांग्लादेश में बहुमूल्य अनुभव मिलेगा और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना पहला मैच खेलने के दावेदार हैं।'' वेबसाइट ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी खेले हैं जिनमें गुरिंदर संधू और तनवीर संघा शामिल हैं लेकिन 1960 के दशक (जब गुजरात में जन्मे लेग स्पिनर रेक्स सेलर्स ने 1964 के कलकत्ता टेस्ट में हिस्सा लिया था) के बाद से भारत में जन्मा कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेला है।'' पुणे में जन्मीं लिसा स्थालेकर ने ऑस्ट्रेलिया के लिए महिला क्रिकेट खेला है और उनकी गिनती दुनिया की दिग्गज खिलाड़ियों में होती है। उन्होंने 2003 में पदार्पण किया और 2013 तक सभी प्रारूपों में खेलीं। तीस साल के चौधरी आस्ट्रेलिया के नागरिक नहीं हैं लेकिन स्थाई रहवासी होने के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पात्रता को पूरा करते हैं।

दिल्ली में जन्मा यह खिलाड़ी भारत में पंजाब के लिए भी 14 लिस्ट ए मैच खेल चुका है। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीमरू मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, निखिल चौधरी, कूपर कोनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुहनेमैन, रिली मेरेडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ और एडम जम्पा।

दुल्हा हत्या काण्ड में गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में भारतीय मानव समाज पार्टी ने दूल्हे आजाद बिंद की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने और गाजीपुर में कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर मामले में प्रदर्शन किया। पार्टी ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा, जिसमें दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। संगठन ने बताया कि जौनपुर में बीते 1 मई को बारात ले जा रहे दूल्हे आजाद बिंद की हत्या कर दी गई थी। घटना के काफी समय बाद भी प्रशासन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में विफल रहा है। पार्टी ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने, फरार दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। गाजीपुर में कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पीड़ित परिवार और समाज ने पुलिस की कार्यशैली और मुठभेड़ के समय पर संदेह व्यक्त किया है। पार्टी का कहना है कि जब संविधान में आत्मसमर्पण और निष्पक्ष मुकदमे की व्यवस्था है, तो ऐसी पुलिस कार्रवाई संदेह पैदा करती है। मुख्य मांगों में जौनपुर हत्याकांड के फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाना शामिल है। इसके साथ ही, गाजीपुर पुलिस मुठभेड़ की निष्पक्ष केंद्रीय एजेंसी (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की गई है।पार्टी ने पीड़ित परिवारों को सुरक्षा और उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान करने की भी अपील की है। पार्टी ने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि वे इन मामलों का संज्ञान लेकर राज्य सरकार को उचित कदम उठाने के निर्देश दें ताकि न्याय सुनिश्चित हो सके।

अमेरिका–इजराइल दोस्ती में दरार? अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के अमेरिका फर्स्ट बयान से मची हलचल

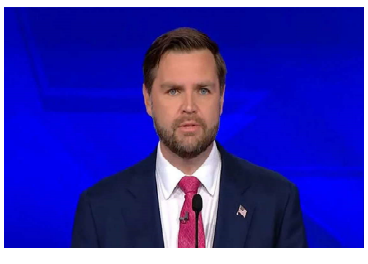

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते, भले ही वे करीबी सहयोगी बने हुए हैं। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। ब्ढे को दिए एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि इजराइल अमेरिका का एक अहम सहयोगी है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि हालात के आधार पर कभी–कभी दोनों देशों की प्राथमिकताएं अलग–अलग हो सकती हैं। वेंस का कहना है कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर ही कदम उठाएगा।

वेंस ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही वॉशिंगटन और यरूशलेम के बीच मजबूत सहयोग है, लेकिन कई बार उनके लक्ष्य पूरी तरह से मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में, अमेरिका हमेशा उसी चीज पर ध्यान देगा जिससे उसके लोगों का सबसे ज़्यादा भला हो। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक ऐसे नेता हैं जो अपने देश के हितों को मजबूती से आगे बढ़ाते हैं। साथ ही, वेंस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह साफ कर दिया है कि अमेरिकी राष्ट्रीय हित सबसे पहले आते हैं। ट्रंप और नेतन्याहू की बातचीत में तनाव की खबरें: यह इंटरव्यू ऐसे समय में हुआ है जब वेस्ट एशिया के संघर्ष को संभालने के तरीके, जिसमें इस क्षेत्र में इजराइल की सैन्य कार्रवाई भी शामिल है, को लेकर ट्रंप और नेतन्याहू के बीच मतभेद बढ़ने की खबरें आ रही हैं। वेंस ने कहा कि हालांकि अमेरिका और इजराइल अक्सर मिलकर काम करते हैं, लेकिन असहमति होना मुमकिन है और कभी–कभी इससे बचा नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि जब हित अलग–अलग होंगे, तो वॉशिंगटन ऐसी नीतियां चुनना जारी रखेगा जिनसे अमेरिका का सबसे ज़्यादा भला हो, और साथ ही इजराइल के साथ सहयोग भी बनाए रखेगा।

दहेज हत्या मामले में पति के बाद सास भी गिरफ्तार, भेजी गई जेल

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव में 24 वर्षीय विवाहिता खुशबू की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में शोहरतगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित सास को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इससे पूर्व पुलिस मृतका के पति को भी गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार को अभियुक्ता अकाली पत्नी मन्नू यादव, निवासी पड़रिया, थाना शोहरतगढ़ को पड़रिया पोखरे के पास से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 2 जून 2026 को पड़रिया गांव में विवाहिता खुशबू (24) का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने पति, सास एवं दो ननदों पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने तथा हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी, जिसके आधार पर थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा संख्या 97ध2026, धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3ध4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने पहले मृतका के पति दिनेश यादव उर्फ बुडाऊ (27) को परसा रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस अन्य नामजद आरोपितों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, खुशबू की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व दिनेश यादव से हुई थी। विवाह के बाद उसका एक पुत्र भी है। मृतका का मायका बलरामपुर जनपद के पचपेड़वा थाना क्षेत्र में स्थित है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक बलिराम गौड़, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र चंद्र तथा महिला कांस्टेबल कोमल शामिल रहीं।

किसान खेत मजदूर संगठन ने किया प्रदर्शन

जौनपुर। कलक्ट्रेट परिसर में भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन ने बुधवार को केंद्र सरकार के खिलाफ देशव्यापी संघर्ष का ऐलान किया। संगठन ने अपनी मांगों को लेकर भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी सौंपा है। संगठन के नेता राजनाथ यादव ने बताया कि केंद्र सरकार ने 2020 में तीन कृषि कानून पारित किए थे, जिनका व्यापक विरोध हुआ था। संयुक्त मोर्चा के ऐतिहासिक आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री को ये कानून वापस लेने पड़े थे। किसानों ने दिसंबर 2020 में सशर्त आंदोलन वापस लिया था। हालांकि, संगठन का आरोप है कि केंद्र सरकार ने अपने वादों पर अमल नहीं किया, जिससे किसानों में असंतोष बढ़ रहा है। इसी कारण अब देशव्यापी संघर्ष का निर्णय लिया गया है। संगठन ने राष्ट्रपति से अपनी शक्तियों का उपयोग कर किसानों को न्याय दिलाने का आग्रह किया है। ंगठन की प्रमुख मांगों में एमएसपी कानून को तुरंत लागू करना और खरीद सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही, खाद, बीज और डीजल की पर्याप्त आपूर्ति रियायती दरों पर करने की मांग की गई है। किसानों ने बिजली संशोधन विधेयक 2021 को वापस लेने और स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने की भी अपील की है।अन्य मांगों में किसानों और मजदूरों के सभी कर्ज माफ करना तथा मुफ्त बिजली प्रदान करना शामिल है। संगठन ने चार लेबर–कोड बिलों को वापस लेने और मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन 30,000 रुपये लागू करने की भी मांग की है, ताकि कम वेतन और बढ़ती महंगाई से निपटा जा सके। जेल में बंद मजदूरों पर लगे फर्जी मुकदमे वापस लेकर उन्हें ससम्मान रिहा करने की बात भी कही गई है।

राजनीति में नारी सम्मान सर्वोपरि, अभद्र टिप्पणी करने वाले नेताओं पर हो सख्त कार्रवाई: डॉ. प्रीतम शुक्ला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। राजनीति में महिलाओं के प्रति बढ़ रही अमर्यादित टिप्पणियों पर युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रीतम शुक्ला ने चिंता जताते हुए सभी राजनीतिक दलों से सख्त कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कोई भी दल पूरी तरह निर्दोष नहीं है और हर पार्टी में ऐसे नेता मौजूद हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए दूसरों की बहन–बेटियों पर अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं। डॉ. शुक्ला ने कहा कि किसी भी नेता द्वारा महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किए जाने पर संबंधित दल को बिना देरी उसे पार्टी से निष्कासित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन निजी जीवन और महिलाओं के सम्मान को राजनीति का हथियार बनाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बहन–बेटी चाहे किसी सामान्य परिवार की हो या किसी बड़े नेता की, सम्मान का पैमाना सबके लिए एक समान होना चाहिए। डॉ. शुक्ला ने कहा कि यदि इस गिरती राजनीतिक मानसिकता पर समय रहते रोक नहीं लगी, तो इसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नारी सम्मान की रक्षा करने और राजनीतिक शुचिता बनाए रखने की अपील की। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

उतरौला कोतवाल की दबंगई की शिकायत डीआइजी से, सीओ ने दर्ज किया पीड़िता का बयान

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। दुबई में रह रहे युवक पर फर्जी मुकदमा लिखने का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि प्रभारी निरीक्षक पर बीस मई को उसी के घर मे जबरन घुसने, तोड़फोड़, गालीगलौज करने व हाथापाई का भी आरोप लगा है। पीड़िता ने सीसीटीवी फुटेज के साथ डीआइजी को प्रार्थना पत्र देकर प्रभारी निरीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा परिवार को सुरक्षा दिलाने की मांग की है। मामले में नौ जून को सीओ तथा एसपी कार्यालय में पीड़िता का बयान भी दर्ज किया गया है। महदेइया बनगवां निवासी नूरैन बानो पत्नी सिराज ने बताया कि बीस मई की रात लगभग 11 बजे प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज एक उपनिरीक्षक व छह आरक्षी जिनमें दो बिना वर्दी के थे। उसके घर में घुसे। घर मे लगे सीसी कैमरे को बंद कर दिया। घर में घुसते ही सिराज व अमीन को पूछते हुए सारा सामान तितर बितर करने लगे। जब पीड़िता की पुत्रियों ने घर में अकारण घुसने और सर्च वारंट का जिक्र किया तो उन्हें भी गाली दी गई। घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर रही बेटियों का तीन मोबाइल छीनकर फुटेज डिलीट कर दिया। दुबई में रह रहे बेटे व अन्य बेटों को मुकदमे में फंसा कर जिंदगी बरबाद करने की धमकियां दीं। लगभग पौना घंटा बीतने पर पुलिस के जाने के बाद पीड़िता ने सीसी कैमरा आन करके फुटेज बनाया। पीड़िता का कहना है पिछले साल दिसंबर में उसका पुत्र दुबई गया था। तबसे वह वहीं है। इस साल फरवरी मे उसके विरुद्ध पुलिस ने प्रधानी के चुनावी रंजिश में मुकदमा दर्ज किया था। मामले की शिकायत के बाद से पुलिस का रवैया और उग्र हो गया है और वह प्रार्थिनी के परिवार के साथ कोई भी बड़ी घटना कर सकते हैं। सीओ राघवेंद्र सिंह का कहना है कि डीआइजी द्वारा प्रेषित शिकायती पत्र पर आवेदिका का बयान लिया जा चुका है। रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जा चुकी है।

विवादित जमीन पर जबरन ताजिया रखने की तैयारी, पीड़ित ने डीएम से की फरियाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। पुरानी आबादी की न्यायालय में विचाराधीन भूमि पर जबरन ताजिया रखने का आरोप लगाते हुए रुस्तमनगर गांव के रामकृष्ण साहू ने डीएम से हस्तक्षेप की मांग की है। आरोप है कि पुलिस भी विपक्षियों का साथ देकर गांव में सांप्रदायिक तनाव को हवा दे रही है। कोतवाली क्षेत्र निवासी पीड़ित ने बताया कि उसके घर के सामने व बगल में आबादी की जमीन है। उस जमीन पर वह काबिज है। जमीन में एक चबूतरा है जिस पर वह मांगलिक और धार्मिक कार्यक्रम करता आ रहा है। घर के बगल पक्का सीसी मार्ग बना हुआ है। सीसी रोड के दूसरी तरफ विपक्षी फजरूल रहमान का घर है। विपक्षी सड़क के इस पार आकर आबादी की जमीन पर ताजिया रखना चाहता है जबकि उस जमीन का मुकदमा सिविल कोर्ट में विचाराधीन है। जमीन का कमीशन भी कराया जा चुका है। पिछले वर्ष सितंबर में पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच उक्त जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने का समझौता भी कराया था। जबरन ताजिया रखने के लिए गांव के ही मनौव्वर, अफसर अली, आबिद अली, शहजाद अली, आबाद अली समेत अनेक असामाजिक तत्व आए दिन विवाद खड़ा करते हैं और उसी जमीन पर मुहर्रम का बाजा भी बजाकर विवाद की स्थिति पैदा करते हैं। पीड़ित ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर न्यायालय के निर्णय होने तक उक्त जमीन पर ताजिया रखने से प्रतिबंधित करने की मांग की है। कोतवाल अवधेश राज का कहना है कि न्यायालय ने उक्त जमीन पर स्टे का आदेश नहीं दिया है इसलिए वह ताजिया रखने से मना नहीं कर सकते।

डीएम की अध्यक्षता में जिला पुस्तकालय समिति की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में ष्जिला पुस्तकालय समितिष् की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पुस्तकालय के विकास, उन्नयन, संवर्धन एवं और अधिक लोकप्रिय/उपयोगी बनाने के बिंदुओं पर निर्धारित एजेंडा के अनुसार विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा राजकीय जिला पुस्तकालय पर वाउंड्रीवाल एवं गेट की व्यवस्था के लिए निदेशालय पत्र भेजने हेतु निर्देशित किया गया। राजकीय जिला पुस्तकालय के रीडिंग कक्ष में ए.सी की व्यवस्था के लिए निदेनेशालय पत्र भेजने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा राजकीय जिला पुस्तकालय में बढ़ती सख्या हेतु फर्नीचर (मेज/कुर्सी) की व्यवस्था के लिए निदेशालय पत्र भेजने का

निर्देश दिया गया। राजकीय जिला पुस्तकालय में समाचार पत्रिका, दैनिक समाचार पत्रिका, मासिक पत्रिका, वार्षिक पत्रिका, करेंट अफेयरर्स, दैनिक जागरण एवं द हिन्दू आदि मँगाने के लिए इनके सम्पादन का पत्र भेजा जाये की वे निःशुल्क पत्रिका उपलब्ध करायें। जिलाधिकारी द्वारा पुस्तकालयाध्यक्ष को निर्देशित किया गया कि पुस्तकालयाध्यक्ष स्वयं समन्वय स्थापित करके अधिकारियों का समय लेकर कैरियर काउंसलिंग एवं तनाव प्रबंधन का कार्यक्रम करायें। उन्होंने कहा कि पाठकों की डिमांड के अनुसार प्रतियोगि परीक्षाओं हेतु उपयोगी पुस्तकों की सूची (नाम, प्रकाशन, मूल्य) तैयार करके उपलब्ध कराया जाय। जिलाधिकारी द्वारा राजकीय जिला पुस्तकालय में छायादार वृक्ष/बायो फेन्सिग की व्यवस्था के लिये क्थ्व को पत्र भेजना का निर्देश दिया गया। पाठकों की सुविधा हेतु इनवर्टर, सेल्फ इन्सिरेटर/सेनेटरी पैड, वेडिंग मशीन एवं जन जागरुकता हेतु कार्यकमो के आयोजन के लिए ब्ट के माध्यम से व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। नगर पालिका के समन्वय से नियमित रुप से साफ–सफाई की व्यवस्था का निर्देश दिया गया तथा राजकीय जिला पुस्तकालय में साईकिल स्टेंड हेतु टिन सेड की व्यवस्था ब्ट के माध्यम से व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने ओपेन जिम की ब्ट के माध्यम से व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पुस्तकालय में सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी/रात्रिकालीन चौकीदार की व्यवस्था ब्ैत के माध्यम से व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। राजकीय जिला पुस्तकालय में बाल कक्ष की स्थापना एवं विस्तार की व्यवस्था ब्ट के माध्यम से कराने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य, जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, संत कबीर नगर, सचिव, जिला साक्षरता समिति, संत कबीर नगर, जिला युवा कल्याण अधिकारी, संत कबीर नगर, जिला विद्यालय निरीक्षक, संत कबीर नगर, अशुतोष पाल, प्रशासनिक अधिकारी, संत कबीर नगर, प्रो० प्रताप विजय कुमार, प्रोफेसर, एच०आर०पी०जी०कालेज, खलीलाबाद, संत कबीर नगर,द्द अन्यास सिंह, रा०इ०का०, बनौली, नेहा यादव, महिला मंडल दल, प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय जिला पुस्तकालय, संत कबीर नगर सदस्य आदि उपस्थित रहे।

क्या प्रभाव के आगे बेअसर हुई तबादला नीति? एडीओ पंचायत की तैनाती विवादों में

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर।उसका ब्लॉक में एडीओ पंचायत की तैनाती को लेकर उठे सवालों ने पंचायत विभाग की कार्यप्रणाली पर चर्चा छेड़ दी है। शिकायतकर्ता श्रवण कुमार राय ने आरोप लगाया है कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद संबंधित अधिकारी की तैनाती अपने मूल तहसील क्षेत्र में ही कर दी गई, जो स्थानांतरण नीति की मंशा के विपरीत है।शिकायत सामने आने के बाद विभाग ने जांच शुरू करने की बात कही है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि यदि तैनाती नियमों के अनुरूप नहीं थी, तो नियुक्ति के समय इसकी जांच क्यों नहीं की गई? क्या यह केवल प्रशासनिक चूक थी या फिर नियमों की अनदेखी?अब जांच के नतीजों पर सबकी नजर है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल एक अधिकारी की तैनाती का नहीं, बल्कि विभागीय जवाबदेही और पारदर्शिता की परीक्षा भी होगा। जनता यह जानना चाहती है कि क्या जांच निष्पक्ष होगी और दोष तय होने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी होगी या नहीं।

मोहर्रम को लेकर अलर्ट मोड में शोहरतगढ़ पुलिस, कस्बे में किया लैग मार्च

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़ (सिद्धार्थनगर)। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शोहरतगढ़

...मयंक द्विवेदी एवं ...स्बे में पैदल गश्त ...स अधिकारियों ने ...रीक्षण किया तथा ...त कर आवश्यक ...ने वाले कारीगरों ...ा पालन करने की ...ोहर्रम के दौरान ...च प्राथमिकता है।

उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। साथ ही आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, उपनिरीक्षक रामबदन यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश यादव सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

राजस्व वादों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता तथा अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गौरव श्रीवास्तव की उपस्थिति में कैम्प कार्यालय पर राजस्व वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण, मुख्यमंत्री .षक दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थियों को समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराने तथा राजस्व कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री .षक दुर्घटना बीमा योजना के सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कर लाभार्थियों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

आवेदन पत्रों की ऑनलाइन फीडिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए और कोई भी प्रकरण लंबित न रहने पाए। बैठक में निर्विवाद वरासत, राजस्व वादों तथा अन्य लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए डीएम ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि रिपोर्ट स्वयं जांचकर ही प्रेषित करें। राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल स्तर पर लंबित मामलों में संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने धारा–24 के वादों की पोर्टल पर फीडिंग कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, अवैध अतिक्रमण हटाने, अभियान चलाकर चकमार्गों को चिन्हित करने तथा तीन वर्ष से अधिक पुराने राजस्व वादों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार प्रतिदिन न्यायालय में बैठकर मामलों की सुनवाई करें और निस्तारित वादों की ऑनलाइन फीडिंग भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी धारा के तीन वर्ष एवं पांच वर्ष से अधिक पुराने प्रकरण लंबित नहीं रहने चाहिए। अंश निर्धारण, खुर्रा बंटवारा तथा धारा–24, 116, 176, 67 और 80 के अंतर्गत लंबित मामलों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में समस्त उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार, तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दरोगा की रिवॉल्वर गायब: आखिर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी कौन लेगा?

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी। शिवनगर डीह थाना क्षेत्र के बरही सरकार में आए एक दरोगा की लाइसेंसी रिवॉल्वर का रहस्यमय ढंग से गायब हो जाना केवल एक सामान्य घटना नहीं है, बल्कि यह पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जिस हथियार की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं कानून के रखवालों के कंधों पर होती है, यदि वही हथियार सार्वजनिक स्थल से लापता हो जाए तो आम जनता की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।बताया जा रहा है कि दरोगा ने रिवॉल्वर को कमरे में रखकर स्नान करने गए थे और लौटने पर हथियार गायब मिला। सवाल यह है कि आखिर एक सर्विस हथियार को इतनी असावधानी से क्यों रखा गया? क्या संवेदनशील हथियारों के रखरखाव और सुरक्षा को लेकर निर्धारित मानकों का पालन किया गया था?घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन जनता यह जानना चाहती है कि यदि आम नागरिक से थोड़ी सी चूक पर सख्त कार्रवाई होती है, तो क्या सरकारी हथियार की सुरक्षा में बरती गई लापरवाही की भी निष्पक्ष जवाबदेही तय होगी?यह मामला केवल एक रिवॉल्वर के गायब होने का नहीं, बल्कि पुलिस व्यवस्था में अनुशासन, सतर्कता और जवाबदेही की परीक्षा का है। जांच निष्पक्ष और त्वरित होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कानून के रखवालों से जनता अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की अपेक्षा करती है।

सिद्धार्थनगर कोर्ट से लौट रहे अधेड़ को ट्रक ने कुचला, बेटे के सामने हुई मौत; चालक फरार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय स्थित न्यायालय गेट के सामने गुरुवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय अधेड़ की ट्रक

से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय उनका बेटा भी साथ था, जिसने अपनी आंखों के सामने पिता को दम तोड़ते देखा। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और न्यायालय गेट के सामने दोनों ओर लंबा जाम लग गया। मोहाना थाना क्षेत्र के मधुबनी टोला रेहला गांव निवासी इनाउल्लाह (55) अपने पुत्र अलाउद्दीन के साथ एक मुकदमे की पैरवी के सिलसिले में जिला न्यायालय आए थे। गुरुवार शाम करीब 4रू30 बजे न्यायालय का कार्य समाप्त होने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान न्यायालय गेट के सामने सड़क पार करते समय तेज रतार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही इनाउल्लाह सड़क पर गिर पड़े और ट्रक उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गया। मृतक के पुत्र अलाउद्दीन ने बताया कि उन्होंने बाइक मोड़ने से पहले इंडिकेटर भी दिया था, लेकिन ट्रक चालक ने रतार कम नहीं की। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए, जिससे न्यायालय गेट के सामने यातायात बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर जाम खुलवाया और ट्रक को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। इनाउल्लाह की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर रही है।

10वें दीक्षांत समारोह के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची जारी, 28 छात्राएं और 9 छात्र होंगे सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु द्वारा आगामी 29 जून को आयोजित होने वाले 10वें दीक्षांत समारोह के लिए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्र–छात्राओं की प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है। सूची में कुल 37 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें 28 छात्राएं और 9 छात्र शामिल हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को उत्.ष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा रहा है। कुलपति प्रो. केदार शाह ने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और शैक्षणिक उत्.ष्टता का प्रतीक है तथा अन्य छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।परीक्षा नियंत्रक डॉ. दयानाथ यादव ने बताया कि जारी सूची प्रस्तावित है और यदि किसी छात्र–छात्रा को अंक, वर्गीकरण अथवा श्रेष्ठता क्रम को लेकर कोई आपत्ति हो तो वह 17 जून तक विश्वविद्यालय की निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है। इसके बाद प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत अंतिम सूची जारी की जाएगी।विश्वविद्यालय द्वारा जारी इस सूची में छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने एक बार फिर साबित किया है कि बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। आगामी दीक्षांत समारोह मेधावी विद्यार्थियों के लिए उपलब्धियों के उत्सव का साक्षी बनेगा।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर प्रबुद्ध जन संवाद, सांसद जगदंबिका पाल ने किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम में जनकल्याणकारी योजनाओं, विकसित भारत के संकल्प और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर सार्थक चर्चा की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

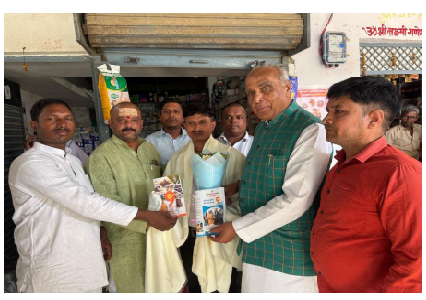

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में गरीब कल्याण, डिजिटल सशक्तिकरण, आधारभूत संरचना के विकास, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति मिली है। आज भारत आत्मविश्वास के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि 10 जून 2026 भारतीय लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक दिन रहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 4,399 दिनों तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसे देशवासियों के विश्वास, सुशासन और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मंडल बर्डपुर के शक्ति केंद्र मोहनाजोत स्थित बूथ संख्या 55 एवं 58 पर आयोजित कार्यक्रम में डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने डॉ. जितेंद्र जैसवाल और राजकुमार चौधरी (मास्टर साहब) को अंगवस्त्र, बुके और बुकलेट भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अमित उपाध्याय, शक्ति केंद्र संयोजक रणजीत चौधरी, बूथ अध्यक्ष संजय चौधरी, जिला पंचायत सदस्य सबलू साहनी, सरवन दुबे, दुर्गेश चौधरी, रजत उपाध्याय, सभासद प्रतिनिधि महावीर, दिलीप सिंह, मुरारी सिंह, विजय कश्यप सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

विद्युत विभाग की लापरवाही से जा रही मासूमों और संविदा कर्मियों की जान : अविनाश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक/पूर्व जिलाध्यक्ष अविनाश कुशवाहा ने आज आयोजित प्रेस वार्ता में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि विभाग की घोर लापरवाही के कारण आम जनता एवं संविदा कर्मियों की जान लगातार जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि आए दिन विद्युत विभाग में कार्यरत लाइनमैन तथा अन्य गरीब एवं मेहनतकश संविदा कर्मियों की जान जा रही है, लेकिन हर दुर्घटना के बाद केवल जांच और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी दुर्घटना में संविदा कर्मी की मृत्यु होने पर उसका परिवार असहाय एवं बेसहारा हो जाता है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी और सता में बैठे लोग मौन साध लेते हैं। प्रदेश की जनता पहले से ही स्मार्ट मीटर, महंगी बिजली और बार-बार बढ़ते विद्युत शुल्क से परेशान है। वहीं विभागीय भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते बिजली के खंभों को मानकों के विपरीत सीधे मिट्टी में गाड़ दिया जाता है, जिसके कारण वे बारिश और तेज हवा में गिर जाते हैं और संपूर्ण विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो जाती है। कई बार ऐसे हादसों में लोगों की जान तक चली जाती है। श्री कुशवाहा ने कहा कि गरीब, मजदूर एवं किसानों

से बिजली बिल वसूली के लिए विभाग अत्यधिक सक्रिय रहता है और एफआईआर तक दर्ज करा देता है, लेकिन जब जनता विद्युत संबंधी शिकायत करती है तो विभाग के अधिकारी उस पर ध्यान नहीं देते। उन्होंने बताया कि दिनांक 06 जून 2026 को ग्रामसभा पड़रछ के ग्रामीणों द्वारा समाधान दिवस में एक शिकायत पत्र दिया गया था, जिस पर संबंधित अधिकारियों ने एसडीओ पिपरी को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया था। इसके बावजूद अधिकारियों ने कोई संज्ञान नहीं लिया। परिणामस्वरूप 09 जून 2026 को नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय संदीप पुत्र रामआसरे की मृत्यु हो गई। इस मामले में शव का पोस्टमार्टम कराया गया और पीड़ित परिवार के साथ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कोन थाने पहुंचकर संबंधित अधिकारियों एवं एसडीओ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की। जनआक्रोश को देखते हुए संबंधित कर्मियों एवं एसडीओ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।

इसी प्रकार 25 मई 2026 को थाना कोन क्षेत्र के निवासी विनोद कुमार पुत्र सुरेश शाह नामक संविदा लाइनमैन की भी जान चली गई। उन्होंने बताया कि लाइन बंद होने की सूचना के बावजूद मेडिकल लेकर लाइन चालू कर दी गई, जिससे कार्य के दौरान उनकी करंट लगने से मृत्यु हो गई। कुशवाहा ने कहा कि कुछ माह पूर्व बढ़ौली गांव में रणजीत चौबे के घर में बिजली करंट से उनकी पत्नी एवं मासूम पुत्री की मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार शाहगंज में स्टे वायर की चपेट में आने से एक महिला की जान चली गई थी। वहीं ग्राम गंगाजल में विद्युत स्टेबलाइजर के दौरान बिजली आने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि जिले में विद्युत विभाग की लापरवाही लगातार लोगों की जान ले रही है। उन्होंने मांग की कि विद्युत विभाग तत्काल सभी जर्जर तारों एवं खंभों की जांच कर उन्हें दुरुस्त कराए। साथ ही यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना होती है तो संबंधित ठेकेदारों एवं अधिकारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस का शिकंजा, पांच बाइक सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी

के आदेशानुसार तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक, मीरजापुर परिक्षेत्र एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस द्वारा "ऑपरेशन वज्रपात" के अंतर्गत सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना ओबरा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की गई। चेकिंग के क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने, आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत न कर पाने तथा संदिग्ध परिस्थितियों में संचालित पाए गए कुल 05 मोटरसाइकिल वाहनों को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज किया गया। यह अभियान क्षेत्र में अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, कानून-व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाने तथा आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित किया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए "ऑपरेशन वज्रपात" के अंतर्गत ऐसे विशेष चेकिंग अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। थाना ओबरा पुलिस आमजन से अपील करती है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें तथा वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज सदैव अपने साथ रखें।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित

विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मौत से जंग जीत गई महिला, गोताखोरों और आपदा बल ने दिखाया अदम्य साहस

दैनिक बुद्ध का संदेश

जरवल रोड/बहराइच। जरवल रोड थाना क्षेत्र के संजय सेतु पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पारिवारिक विवाद से परेशान एक 26 वर्षीय महिला ने उफनती घाघरा नदी में छलांग लगा दी। लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय गोताखोरों, नाविकों और बाढ़ राहत मॉक ड्रिल में जुटी आपदा मोचन बल की टीम ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार, महिला पिछले कुछ समय से पारिवारिक

तनाव से गुजर रही थी। इसी मानसिक दबाव में उसने संजय सेतु से नदी में छलांग लगा दी। घटना को देख राहगीरों में हड़कंप मच गया और तत्काल बचाव के प्रयास शुरू किए गए। गनीमत रही कि घटनास्थल के समीप आपदा मोचन बल की टीम स्थानीय नाविकों और गोताखोरों के साथ बाढ़ राहत संबंधी मॉक ड्रिल कर रही थी। महिला के नदी में गिरते ही बचाव दल बिना समय गंवाए नाव और लाइफ जैकेट के साथ नदी में उतर गया। कड़ी मशक्कत के बाद महिला को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद उसे एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। सूचना मिलते ही जरवल रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि महिला के बयान दर्ज कर पारिवारिक विवाद के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने आपदा मोचन बल, गोताखोरों और नाविकों की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मुस्तैदी से एक अनमोल जिंदगी बच सकी।

बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव को लेकर उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश की अंतर्राज्यीय बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। वर्षाकाल के दौरान बाढ़ से जन-धन की सुरक्षा एवं

प्रभावी बाढ़ प्रबंधन के उद्देश्य से अष्टभुजा निरीक्षण गृह, मिर्जापुर में विन्ध्याचल मण्डल के मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश एवं रीवा मण्डल के मण्डलायुक्त बी.एस. जामोद की सह-अध्यक्षता में संयुक्त अंतर्राज्यीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सोनभद्र, मिर्जापुर, रीवा एवं मऊगंज जनपदों के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए बाढ़ राहत एवं बचाव की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी सोनभद्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े जिलाधिकारी सोनभद्र चर्चित गौड़ ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण एवं राहत कार्यों हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा बांधों से पानी छोड़े जाने से पूर्व संबंधित राज्यों के अधिकारियों को समय से सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में मेजा, अदवा एवं सिरसी जलाशयों के संचालन पर चर्चा करते हुए यह सहमति बनी कि मेजा एवं अदवा बांध से 80 हजार क्यूसेक से अधिक पानी न छोड़ा जाए तथा जल छोड़ने से पूर्व व्हाट्सएप एवं दूरभाष के माध्यम से सूचना का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने कंट्रोल रूम, वायरलेस सिस्टम एवं व्हाट्सएप ग्रुप को सक्रिय रखते हुए दोनों राज्यों के बीच सतत समन्वय बनाए रखने पर बल दिया, ताकि बाढ़ की किसी भी संभावित स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

अखिलेश यादव की पुत्री पर अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ सपाइयों ने बखिरा थाने में तहरीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। बखिरा थाने में बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने एक शिकायत पत्र दर्ज कराया है। यह शिकायत समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की

पुत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर वायरल हुई अभद्र टिप्पणी को लेकर की गई, जिसमें अभद्र टिप्पणी करने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस घटना को लेकर समाज में गहरा रोष व्याप्त है। वर्तमान में, सपा मुखिया अखिलेश यादव की पुत्री पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की गई इस अशोभनीय और गलत टिप्पणी को लेकर हर तरफ से कार्रवाई की पुरजोर मांग की जा रही है। इसी क्रम में, समाजवादी पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सभा प्रिया पाठक के नेतृत्व में समाजवादियों ने बखिरा थाने में शिकायत पत्र देकर कहा कि इस तरह की टिप्पणी से हर बेटी का अपमान होता है और समाज में बेटियों का अपमान कतई क्षम्य नहीं है। इस दौरान मेंहदावल विधानसभा अध्यक्ष ओंकार यादव, विधानसभा महासचिव रियाज अहमद, पूर्व प्रधान शमीम अख्तर अंसारी, राम रूप यादव, बृजेश यादव, वि०स० उपाध्यक्ष दीपक कन्नौजिया, असरफ मालिक, अजमल अंसारी, शम्स तबरेज, प्रिंस भट्ट, अंसार अहमद, मुन्ना, शैलेंद्र पाठक, समेत आदि नेता मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में आगामी कार्ययोजना पर बिचार बिमर्श किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के सभागार में गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख सीमा देवी की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई। जिसमे पिछली कार्यवाही की पुष्टि करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विमचार विमर्श किया गया। खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव ने कहा कि शासन द्वारा जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसमें प्रधान मंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन, किसानसम्मान निधि, समेत कई योजनाए संचालित हैं। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों से कहा कि अपने अपने क्षेत्र में काम कराने के लिए कार्य योजना जमा करे। प्रमुख प्रतिनिधि राम अधार ने सभी बी, डी, सी, से

कहा कि अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को लिखकर कार्यालय में जमा कर दे उसपर आवश्यकता के अनुसार काम कराया जाएगा। ए, डी, ओ, आई,एस,बी, अनंत कुमार सिंह ने एन, आर, एल, एम, द्वारा जारी जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गरीब महिलाओं को स्व रोजगार करने के लिए सरकार धन उपलब्ध करा रही है। जिसके लिए दस से बीस महिलाओं द्वारा एक समूह बनाकर स्वरोजगार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ए, डी, ओ,ए, जी, सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस समय केंद्र पर बीज उपलब्ध है किसान ऑनलाइन आवेदन करें पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर बीज वितरण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के मनोज चौधरी ने कहा कि 70 वर्ष से अधिकउम्र के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। सी, एच, सी,करमा पर जांच की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं वहां आकर लाभ उठा सकते हैं। सचिव रोहित सिंह ने कहा कि जिनके पास शौचालय नहीं है वे लोग ऑनलाइन आवेदन करें जांचोपरांत उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेयजल की समस्याओं को देखते हुए 20 ग्राम पंचायतों में टैंकर से पानी की आपूर्ति कराई जा रही है। जे,ई, लघु सिंचाई राज बहादुर ने बताया कि 100फीट तक निशुल्क बोरिंग की सुविधा किसानों को मिलती है।

उक्त अवसर पर विकास विश्वकर्मा, विकास सिंह, गोपाल सिंह, रविंद्र बहादुर सिंह,राम संजीवन तिवारी, श्याम बिहारी, जे,ई,अजय सोनकर ,रमेश कुमार समेत काफी संख्या मे बी,डी,सी, एवं अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विंध्यवासिनी मिश्र लहरी ने किया।

दिव्यांग छात्र की पीड़ा सुन भावुक हुए जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के

समक्ष मानवता और संवेदनशीलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला। जनसुनवाई में प्राथमिक विद्यालय बंजरिया के छात्र रवि पटेल पुत्र कमलेश पटेल ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि वह दोनों पैरों से दिव्यांग है तथा कक्षा-5 की छात्रवृत्ति की धनराशि अभी तक उसे प्राप्त नहीं हुई है। दिव्यांग छात्र की स्थिति को देखकर जिलाधिकारी गौड़ ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारियों को छात्र को तुरंत ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिसके क्रम में जिलाधिकारी ने स्वयं अपने हाथों से रवि पटेल को ट्राइसाइकिल प्रदान की। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि छात्र की लंबित छात्रवृत्ति की धनराशि का तत्काल सत्यापन कर उसे उसके बैंक खाते में प्रेषित कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी की इस संवेदनशील एवं मानवीय पहल से छात्र रवि तथा उसके परिजनों के चेहरे पर खुशी झलक उठी। ट्राइसाइकिल प्राप्त होने पर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उन्होंने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। जनसुनवाई में की गई यह पहल प्रशासन की जनकल्याणकारी एवं संवेदनशील कार्यशैली का एक उत्.ष्ट उदाहरण बनी।

मेहदावल एडीओ पंचायत दल सिंगार यादव ने किया कार्यभार ग्रहण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। मेहदावल विकास खंड में जिले से स्थानांतरित होकर आए नवागत सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) दल सिंगार यादव ने बृहस्पतिवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इसके पश्चात कार्यो के संपादन में जुटे दिखे। बताते चले कि निवर्तमान एडीओ पंचायत आनन्द मोहन का तबादला डीएम की संस्तुति पर जिला पंचायत राज अधिकारी के आदेश से हैसर विकास खंड के लिए हो गया है। जबकि आनन्द मोहन को मेहदावल के एडीओ पंचायत सोमवार की जिम्मेदारी सौपी गई है। आदेश के पालन के क्रम में बृहस्पतिवार को नवागत एडीओ पंचायत दल सिंगार यादव ने कार्यभार ग्रहण कर अपना योगदान देना शुरु कर दिया।

इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत विधि छात्र-छात्राओं ने देखा न्यायालय की कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रणधीर सिंह के निर्देशन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार सिंह की पहल पर संचालित इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत विधि छात्र-छात्राओं को न्यायालय की कार्यवाहि से रूबरू कराया गया तथा प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार द्वारा छात्रों को विभिन्न क्रिमिनल लॉ के बारे में बताया गया। इसके अलावा श्री सिंह द्वारा विधि छात्रों को अधिवक्ता चौम्बर्स का भ्रमण भी कराया गया। यह समर इंटर्नशिप कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में दिनांक 01 जून से 30 जून तक चलाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अल्फा का टीजर हुआ रिलीज, आलिया भट्ट का दिखा दमदार एक्शन अवतारय बॉबी देओल ने दिया खतरनाक ट्विस्ट

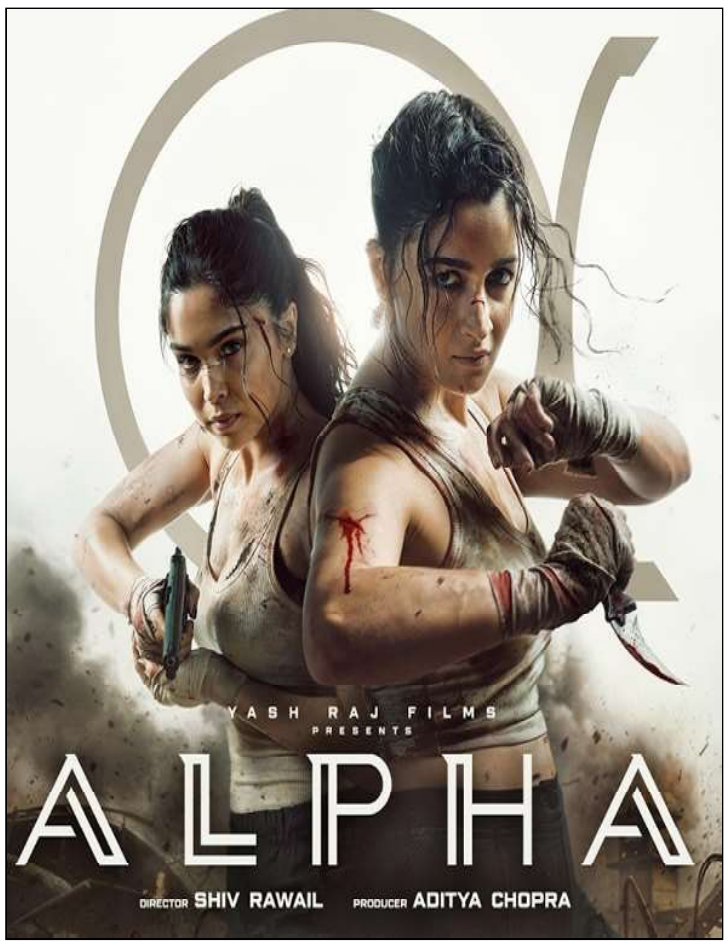

यश राज फिल्म्स ने आखिरकार अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म अल्फा का टीजर जारी कर दिया है, जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली किस्त है. शिव रावेल द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित इस एक्शन थ्रिलर में आलिया भट्ट और शरवरी लीड रोल में हैं. साथ ही बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं. यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और स्पाई फ्रैंचाइजी की पहली फीमेल लीड स्पाई फिल्म है.

टीजर दर्शकों को वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के एक गहरे और अधिक भावनात्मक पहलू से जोड़ रहा है. किसी स्थापित जासूस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, अल्फा एक ऐसी युवती की कहानी बयां करती है, जिसे बचपन से ही एक उच्च कुशल जासूस बनने के लिए ट्रेन किया जाता है.

लगभग दो मिनट के इस टीजर की शुरुआत एक इमोशनल पिता–बेटी के पल से होती है. बॉबी देओल का किरदार आलिया का 18वां जन्मदिन मनाता है और उसे एक चाबी देता है, जो एक खास तोहफा लगता है. हालांकि, माहौल तुरंत बदल जाता है जब वह बताता है कि इस चाबी से आलिया का पहला मिशन खुलता है. आलिया का किरदार निराश हो जाता है, क्योंकि उसे जन्मदिन के खाने की उम्मीद थी, लेकिन उसके पिता उसे याद दिलाते हैं कि यही वह जीवन है जिसके लिए वह बचपन से तैयारी कर रही थी.

जैसे–जैसे टीजर आगे बढ़ता है, दर्शकों को भारत की अगली पीढ़ी के सैनिकों को तैयार करने के लिए डिजाइन किए गए एक हार्ड ट्रेनिंग कार्यक्रम की झलक मिलती है. बॉबी का किरदार आलिया को एक निडर योद्धा के रूप में प्रशिक्षित और आकार देता हुआ दिखाई देता है. एक इमोशनल सीन में उसे आलिया की बांह पर अल्फा संगठन का प्रतीक चिन्ह टैटू करते हुए दिखाया गया है, जो सीक्रेट मिशन के प्रति उसके कमिटमेंट को दर्शाता है.

टीजर का मुख्य आकर्षण एक्शन सीक्वेंस हैं. आलिया को हाथ से हाथ की लड़ाई, सामरिक अभियानों और जोखिम भरे मिशनों में प्रभावशाली सटीकता के साथ भाग लेते हुए दिखाया गया है. सीन स्टाइलिश होने के साथ–साथ रियल भी हैं, जबकि एक्शन बिल्कुल सच और जमीनी लगतेत हैं. टीजर का अंत एक भावुक सीन के साथ होता है, जब बॉबी का किरदार अपनी बेटी को अपना पहला मिशन सफलतापूर्वक पूरा करते हुए गर्व से देखता है.

फिल्म ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है क्योंकि इसमें आलिया को एक बिल्कुल नए अवतार में दिखाया गया है. इस प्रोजेक्ट के बारे में पहले बात करते हुए, अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अल्फा फिल्म इसलिए पसंद आई क्योंकि इसमें उन्हें एक ऐसे जॉनर को एक्सप्लोर करने का मौका मिला है जिसे भारतीय सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के रूप में शायद ही कभी सफलता मिली है. उन्होंने कहा कि हालांकि दर्शकों ने पुरुष प्रधान कहानियों में महिला एक्शन किरदार देखे हैं, लेकिन इस जॉनर में पूरी तरह से महिलाओं द्वारा अभिनीत फिल्में अभी भी कम ही देखने को मिलती हैं.

अल्फा, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है, जिसकी शुरुआत 2012 में एक था टाइगर से हुई थी. बाद में इस फ्रैंचाइजी का विस्तार टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3 और वॉर 2 के साथ हुआ, और यह भारत के पहले सिनेमाई यूनिवर्स में से एक बन गया.

कैटरीना कैफ फिल्मों में वापसी के लिए कस रहीं कमर, स्क्रिप्ट की तलाश में जुटीं

अभिनेत्री कैटरीना कैफ को आखिरी बार फिल्म मेरी क्रिसमस (2024) में देखा गया था। नवंबर, 2025 में उन्होंने अपने पति विक्की कौशल के साथ बेटे विहान का स्वागत किया, जिसके बाद

से अभिनेत्री अभिनय की दुनिया से दूर हैं। हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कैटरीना अब कामकाजी दुनिया में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस सिलसिले में उन्होंने कुछ नई फिल्मों और स्क्रिप्ट को पढ़ना शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना ने ओटीटी परियोजनाओं के लिए नई कहानियों को पढ़ना शुरू कर दिया है। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, हाल ही में मां बनने के बाद कैटरीना कैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ना फिर से शुरू कर दिया है। 2027 के उत्तरार्ध तक किसी फिल्म सेट पर वापसी करने की योजना बना रही हैं और एक ऐसी सही पटकथा की तलाश में सक्रिय रूप से जुटी हैं जो उनके समय के लायक हो। रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना किसी भी परियोजना में जल्दबाजी नहीं करना चाहतीं और स्क्रिप्ट को ध्यान से पढ़ रही हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो उन्हें ओटीटी पर डेब्यू करते हुए देखा जा सकेगा। जाहिर है कि आजकल शाहिद कपूर, मनोज बाजपेयी और सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सितारे डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं। कैटरीना भी ओटीटी पर आने की योजना बन रही हैं। अब देखना होगा कि अभिनेत्री की नई परियोजना का ऐलान कब तक होगा।

सीरीज राख का नया ट्रेलर जारी, रंगा-बिल्ला मामले की परतें खोलेंगे अली फजल

अली फजल की सीरीज राख के पहले ट्रेलर को काफी पसंद किया गया था। अब निर्माताओं ने इसका दूसरा ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान खींच लिया। पुलिस की

वर्दी पहने सब–इंस्पेक्टर जयप्रकाश के किरदार में अली दमदार नजर आए हैं। सोनाली बेंद्रे भी इसका हिस्सा हैं। पाताल लोक के निर्देशक प्रोसित रॉय ने राख का निर्देशन किया है। सीरीज दिल्ली के चर्चित गीता और संजय चोपड़ा अपहरण मामले से प्रेरित बताई जा रही है। ट्रेलर की शुरुआत 1970 के दौर से होती है, जब इंसानी क्रूरता का भयानक चेहरा दिखता है। 2 बच्चों के अपहरण और कत्ल की घटना ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। मामले की जांच ईमानदार पुलिस अधिकारी (अली) को सौंपी जाती है। जैसे–जैसे जांच बढ़ती है, शहर में एक के बाद एक कत्ल का सिलसिला सामने आता है। इसके जरिए निर्माता रंगा–बिल्ला केस की परतों को खोलते दिखेंगे। सीरीज 12 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। राख एक काल्पनिक क्राइम–थ्रिलर सीरीज है। इसका निर्देशन और एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन प्रोसित रॉय ने किया है। सीरीज को अनुषा नंदकुमार और संदीप साकेत ने मिलकर बनाया, लिखा और सह–निर्देशित किया है, जबकि इसके संवाद आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं। यह सीरीज 12 जून को भारत में हिंदी में और दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों में प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी।

अजय देवगन ने दिखाई धमाल 4 की पहली झलक, फिल्म से मजेदार पोस्टर हुए जारी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म धमाल 4 का पहला कैरेक्टर पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर को देखकर साफ है कि फिल्म में पहले की तरह ही जबरदस्त कॉमेडी, हंगामा और रोमांच देखने को मिलेगा। धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार करेंगे। पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा, इन दोनों का एक ही लक्ष्य है, सोना हासिल करना। इन पोस्टर में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी की झलक दिखाई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म पहले 17 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते पहले 10 जुलाई को रिलीज किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 जुलाई का स्लॉट खाली है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इस नई तारीख की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है। धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने धमाल सीरीज की पिछली सभी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म को टी–सीरीज और देवगन फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस बार फिल्म धमाल 4 में संजीदा शेख, अंजली आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे कलाकार भी हंसी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। इन पोस्टर्स के सामने आने के बाद से फैंस के बीच धमाल 4 को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

गर्भावस्था के दौरान योग अपनाने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

गर्भावस्था के दौरान योग करना एक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प हो सकता है। यह न केवल मां के लिए बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी फायदेमंद है। योग से मां को शारीरिक और मानसिक आराम मिलता है और शिशु का विकास भी सही तरीके से होता है। इस लेख में हम आपको गर्भावस्था के दौरान योग करने के 5 मुख्य फायदे बताएंगे, जिनसे आपकी गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

बढ़ सकती है शारीरिक सक्रियता

गर्भावस्था के दौरान योग करने से मां की शारीरिक सक्रियता बढ़ती है। यह न केवल वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है, बल्कि शरीर में लचीलापन भी लाता है। नियमित योग करने से पीठ दर्द, पैरों में सूजन और अन्य शारीरिक समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा योग से मां के शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, जिससे बच्चे के जन्म के समय सहूलियत होती है।

मिल सकती है मानसिक शांति

गर्भावस्था के दौरान मानसिक तनाव सामान्य है, लेकिन योग करने से मानसिक शांति मिलती है। योगाभ्यास जैसे सांस लेने के अभ्यास और ध्यान करने से मन शांत होता है और चिंता कम होती है। इससे मां को बेहतर नींद भी मिलती है, जो उसके स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। नियमित ध्यान और सांस के अभ्यास से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और सकारात्मक सोच विकसित होती है, जिससे गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

सांस लेने की तकनीक में हो सकता है सुधार

योग करने से सांस लेने की तकनीक में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए सही तरीके से सांस लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और थकान कम होती है। सांस के अभ्यास जैसे अनुलोम–विलोम आदि से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है। सही तरीके से सांस लेने से मां और शिशु दोनों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

पाचन में हो सकता है सुधार

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कब्ज, गैस आदि। योग करने से पाचन में सुधार होता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। हल्के–फुल्के योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन आदि पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त का बहाव बेहतर होता है। इसके अलावा योग से पेट की चर्बी भी कम होती है, जिससे पाचन और भी मजबूत होता है।

प्रसव पूर्व तैयारी होती है बेहतर

योग करने से प्रसव पूर्व तैयारी बेहतर होती है। इससे मां की मानसिक स्थिति मजबूत होती है और वह बच्चे के जन्म के समय अधिक तैयार महसूस करती है। योगाभ्यास से मां के शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे बच्चे का जन्म आसान होता है। इसके अलावा योग से मां का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वह प्रसव के दौरान कम डरती है और अधिक सकारात्मक महसूस करती है।